Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 255 | गुरुवार, 24 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

जीरो कमीशन पर चलेगी भारत टैक्सी, चालक को पांच लाख की सामाजिक सुरक्षा: मुख्यमंत्री योगी

अन्नदाता किसानों के लिए बड़ी घोषणा: मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत एलडीबी के ऋण की ब्याज दर 11 से घटाकर छह प्रतिशत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भारत टैक्सी और मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारंभ करते हुए टैक्सी चालकों और किसानों के लिए दो बड़े कदम उठाए। भारत टैक्सी से टैक्सी, टू व्हीलर और थ्री व्हीलर चालक रजिस्ट्रेशन के साथ जीरो कमीशन पर जुड़ सकेंगे। उन्हें पांच लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा भी मिलेगी। वहीं मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत एलडीबी से किसानों को मिलने वाले ऋण की ब्याज दर 11 से घटाकर छह प्रतिशत कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता की कमान किन हाथों में है, सफलता उसी पर निर्भर करती है। अच्छा नेतृत्व सहकारिता को समृद्धि का माध्यम बनाता है, जबकि गलत नेतृत्व इसे अराजकता की ओर ले जा सकता है। आजादी के बाद पहली बार देश में अलग सहकारिता मंत्रालय बना और अब इसके परिणाम सामने आ रहे हैं।

86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ का ऋण माफ किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में सरकार बनने के बाद 86 लाख लघु और सीमांत किसानों के 36 हजार करोड़ रुपये से अधिक के ऋण माफ किए गए। दशकों से लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा किया गया। सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना को पूरा होने में करीब 50 वर्ष लगे। अर्जुन सहायक, बाणसागर और मध्य गंगा जैसी परियोजनाओं को भी आगे बढ़ाया गया। पिछले करीब साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश में 24 लाख हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त सिंचाई सुविधा से जोड़ा गया है। 16 लाख से अधिक निजी ट्यूबवेल वाले किसानों को मुफ्त बिजली दी जा रही है। नहर और सरकारी ट्यूबवेल से सिंचाई भी मुफ्त है।

भारत की गति को प्रगति में बदलेगी भारत टैक्सी

मुख्यमंत्री ने कहा कि टैक्सी, टू व्हीलर और थ्री व्हीलर चालकों के बारे में पहले कोई नहीं सोचता था। अब वे रजिस्ट्रेशन के साथ जीरो कमीशन पर भारत टैक्सी का हिस्सा बनेंगे और पांच लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा पाएंगे। सामाजिक सुरक्षा मिलने से चालक निश्चिंत होकर जिम्मेदारी के साथ अपना काम कर सकेगा। जब कोई व्यक्ति अपनी गाड़ी पर भारत टैक्सी लिखाएगा तो उसके मन में गौरव की अनुभूति होगी। भारत टैक्सी केवल यात्रियों को ढोने वाली टैक्सी नहीं है। यह पूरे भारत की टैक्सी है, जो भारत की गति को प्रगति में बदलने का काम करेगी। लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज में इसका संचालन शुरू किया गया है। लखनऊ एयरपोर्ट, लखनऊ मेट्रो और लखनऊ पुलिस समेत विभिन्न संस्थाओं के साथ एमओयू भी हुए हैं।

कृषक समृद्धि पोर्टल लॉन्च, भारत टैक्सी को किया रवाना

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बटन दबाकर मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के ई–पोर्टल, सहकारिता विभाग के उर्वरक सेतु मोबाइल एप तथा उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव डेटाबेस सेंटर के मोबाइल एप यूपीसीडीसी का भी शुभारंभ किया। सीएम ने पांच सारथियों को भारत टैक्सी के शेयर प्रमाण पत्र और मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के पांच लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र सौंपे। भारत टैक्सी के सीईओ कर्नल हिमांशु और अडानी एयरपोर्ट लखनऊ के चीफ कमर्शियल ऑफिसर शिव मोहन ने विभिन्न संस्थाओं के साथ हुए एमओयू का आदान–प्रदान किया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल समेत अतिथियों ने फ्लैग ऑफ कर भारत टैक्सी को रवाना किया।

भैंसा गाड़ी से भैंसा तक चोरी हो जाता था 2017 के पहले

सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले लोग टैक्सी में बैठते थे, थ्री-व्हीलर में बैठते थे तो किराया नहीं देते थे। पता चलता था कि सत्ताधारी दल से जुड़े गुंडे टैक्सी में बैठे थे। वे टैक्सी चालक को मारकर फेंक देते थे और टैक्सी लेकर गायब हो जाते थे। जितनी चोरी की गाड़ियां होती थीं, उन्हें मेरठ में स्क्रैपिंग किया जाता था और चेसिस बदल दी जाती थी। 2017 से पहले टू-व्हीलर, थ्री-व्हीलर और फोर-व्हीलर की बात तो छोड़िए, यदि कोई भैंसा गाड़ी से जा रहा हो और थोड़ी देर के लिए चाय पीने या यूरिनल जाने के लिए उतर जाए तो वापस आने पर भैंसा गायब मिलता था और केवल काठ की बोगी बचती थी। टैक्सी कहीं खड़ी की तो पता लगता था कि टायर ही गायब हो गए। यही उत्तर प्रदेश की वास्तविक स्थिति थी। सड़कों की हालत ऐसी थी कि पता ही नहीं चलता था कि गड्ढा सड़क में है या सड़क गड्ढे में।

महाकुंभ में देखा था रैपिडो का सफल प्रयोग

मुख्यमंत्री ने प्रयागराज महाकुंभ 2025 का जिक्र करते हुए कहा कि वहां लाखों नौजवान रैपिडो के माध्यम से अपनी बाइक पर श्रद्धालुओं को सुरक्षित संगम तक पहुंचा रहे थे। संगम से रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट तक पहुंचाने में भी उनका योगदान रहा। इससे यातायात बाधित नहीं हुआ और लोगों को आसानी से आवागमन की सुविधा मिली। उन्होंने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से ग्रामीण बस सेवा को भी भारत टैक्सी की तर्ज पर आगे बढ़ाने को कहा, क्योंकि इससे लाखों नौजवानों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

एक्सप्रेसवे में यूपी की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से अधिक

सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी है। एक्सप्रेसवे में उत्तर प्रदेश का शेयर देश में 60 प्रतिशत से अधिक है। इंटरस्टेट कनेक्टिविटी फोर लेन के साथ जुड़ी है। जिला मुख्यालय फोर लेन से जुड़े हैं।

गांव-गांव की सड़कें बेहतर बनी हैं। यह परिवर्तन बेहतर यात्रा के लिए भी है और टैक्सी चालक, थ्री-व्हीलर चालक तथा टू-व्हीलर चालक के लिए भी सुरक्षित है। हर व्यक्ति ऐसे माहौल में आगे बढ़ता है। अब कर्फ्यू नहीं लगता और दंगा नहीं होता। अब कोई चोरी नहीं कर सकता, क्योंकि प्रदेश में 14 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कहीं चोरी हुई तो अगले चौराहे पर चोरी करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की व्यवस्था है।

सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक मुद्दों के लिए सीजेआई से पांच जजों की स्थायी पीठ बनाने का आग्रह किया

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वृहद पीठों को भेजे गए मामलों के निपटारे में हो रही 'अत्यधिक देरी' का उल्लेख करते हुए बुधवार को भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) से संवैधानिक मुद्दों से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए पांच न्यायाधीशों की एक स्थायी पीठ गठित करने की संभावना तलाशने का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस देरी को 'गंभीर चिंता' का विषय बताया और कहा कि आत्ममंथन की जरूरत है, क्योंकि संदर्भों का बहुत लंबे समय तक लंबित रहना संस्था की छवि के लिए अच्छा नहीं है। पीठ की यह टिप्पणी तब आई, जब दोनों न्यायाधीशों ने 2023 के उस कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के संबंध में अलग-अलग राय दी, जिसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति करने वाले पैनल से सीजेआई को बाहर रखा गया है। दोनों न्यायाधीशों की राय इस बात पर अलग थी कि क्या इन याचिकाओं को वृहद पीठ के पास भेजा जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि यदि आंकड़ों को आधार माना जाए, तो कोई भी उचित स्तर की निश्चितता के साथ यह नहीं बता सकता कि लंबे समय से लंबित संदर्भों का निपटारा कब होगा। पीठ ने कहा, 'निश्चित रूप से आत्ममंथन की जरूरत है।

इसलिए हम इस अवसर पर सीजेआई से अनुरोध करते हैं कि वह शुद्ध संवैधानिक मुद्दों पर फैसला करने के लिए पांच न्यायाधीशों की एक स्थायी पीठ गठित करने की संभावना पर भी विचार करें।' पीठ ने कहा, 'हम ऐसा कुछ नया नहीं कह रहे हैं। देश के जिम्मेदार नागरिकों ने समय-समय पर यह राय रखी है और हम केवल उसका समर्थन कर रहे हैं।' पीठ ने कहा कि संवैधानिक मुद्दों का समाधान करना शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों का प्राथमिक कार्य है और यह एक प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। पीठ ने कहा, 'संदर्भों का पांच से 20 साल या उससे अधिक समय तक लंबित रहना संस्था की छवि के लिए अच्छा नहीं है। अब समय आ गया है कि संस्था इस मुद्दे का उस तात्कालिकता और तत्परता से समाधान करे, जिसकी इसे दरकार है।'

मतभेद विवाद पर चुनाव आयोग की सफाई: कहा- सभी फैसले नियम और कानून के तहत लिए गए

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के भीतर मतभेद और एसआईआर को लेकर उठ रहे सवालों के बीच आयोग ने प्रेस नोट जारी कर अपना पक्ष साफ किया है। आयोग ने कहा है कि वह संविधान तहत काम करता है। आयोग के मुताबिक वह एक बहु-सदस्यीय संवैधानिक संस्था है और उसके भीतर लिखित टिप्पणियां, सुझाव, तकनीकी राय और आंतरिक जांच-पड़ताल सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं। आयोग ने स्पष्ट किया कि उसकी सभी कार्रवाइयां कानून और आयोग के निदेशों के मुताबिक की गई हैं।

चुनाव आयोग ने अपने फैसलों को लेकर क्या सफाई दी?

आयोग ने कहा कि इन फैसलों के लिए निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया का पालन किया जाता है। आयोग ने बताया कि उसकी कार्यप्रणाली मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति, सेवा शर्तों और कार्यकाल से संबंधित 2023 के कानून के तहत तय होती है।

आयोग के मुताबिक किसी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले सदस्यों के बीच चर्चा होती है और इस दौरान अलग-अलग राय, सुझाव या प्रशासनिक सवाल उठना सामान्य प्रक्रिया है। इनका उद्देश्य चुनावी व्यवस्था को मजबूत करना और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करना है।

क्या आयोग के भीतर अलग-अलग राय को मतभेद माना जा सकता है?

चुनाव आयोग ने कहा कि किसी भी संस्था में अलग-अलग विचार और टिप्पणियां आना विचार-विमर्श की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। आयोग के मुताबिक अंतिम फैसला लिए जाने से पहले ये सभी टिप्पणियां निर्णय प्रक्रिया में शामिल रहती हैं।

सिर्फ तीनों चुनाव आयुक्त ही नहीं, बल्कि आयोग के अधिकारी भी चुनावी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सुझाव दे सकते हैं। आयोग ने कहा कि निर्वाचन आयुक्तों की ओर से दिए गए सुझावों का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया को और बेहतर बनाना था। इसलिए किसी आंतरिक टिप्पणी या सुझाव को सीधे संस्थागत मतभेद के तौर पर देखना पूरी तस्वीर नहीं दिखाता।

10 महीनों के चुनिंदा नोट्स पर आयोग ने क्या कहा?

आयोग ने कहा कि पिछले 10 महीनों के दौरान सामने आए कुछ चुनिंदा आंतरिक नोट्स या टिप्पणियों को ही उजागर करने से तस्वीर का केवल एक हिस्सा सामने आता है। आयोग के मुताबिक इसी अवधि में बड़ी संख्या में मंजूरियां, फैसले, निर्देश और नई पहल भी की गईं। आयोग ने बताया कि हाल के महीनों में करीब 40 नई पहल शुरू की गई हैं और कई चुनावी सुधार किए गए हैं। इनमें देशभर में मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया, जिसमें एसआईआर भी शामिल है, प्रमुख है। आयोग का दावा है कि पिछले एक साल में लिए गए सभी फैसले पूर्ण आयोग की सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

एसआईआर और चुनावी कामकाज को लेकर आयोग ने क्या बताया?

आयोग ने कहा कि उसने हाल के समय में बिहार, केरल, तमिलनाडु, पुदुचेरी, असम और पश्चिम बंगाल में बड़े चुनावों तथा चुनाव से जुड़ी अन्य प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा कराया है। इन कामों के दौरान बड़े स्तर पर प्रशासनिक और संचालन संबंधी व्यवस्थाएं की गईं।

टीएमसी के 20 बागी सांसदों पर स्पीकर क्यों नहीं ले रहे फैसला? सुप्रीम कोर्ट में तीखी बहस, जज ने जताई चिंता

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों को अयोग्य घोषित करने वाली याचिकाएं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पास तीन महीने से लंबित पड़ी हुई हैं। आज इस मामले पर देश की सर्वोच्च अदालत में सुनवाई हुई। स्पीकर के द्वारा अंतिम फैसला लेने में हो रही देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर रुख अपनाया और इसे चिंताजनक करार दिया है। देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत , न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें बागी सांसदों की अयोग्यता पर जल्द फैसला लेने की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि अयोग्यता की प्रक्रिया लंबित रहने के कई तरह के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। अदालत ने कहा, 'तीन महीने का समय बीत चुका है और याचिकाकर्ता की यह बात जायज है कि इतना वक्त लगना एक रेड फ्लैग है। जब मामला बेहद संवेदनशील हो और इसका असर देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अन्य कार्यवाहियों पर पड़ रहा हो तो इतने समय में कार्रवाई पूरी क्यों नहीं हुई?'

चुनाव आयोग की अंदरूनी लड़ाई पर विपक्ष का वार, ज्ञानेश कुमार का मांगा इस्तीफा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पहले से ही विपक्ष के निशाने पर रहे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर अब नए खुलासों के बाद विपक्ष और हमलावर हो गया है और इस्तीफे से लेकर गिरफ्तारी तक की मांग की है। बुधवार को एक अखबार में यह खबर आई कि एसआईआर और मतदाता लिस्ट को लेकर दो आयुक्तों ने कई बिंदुओं पर लिखित रूप से अपनी असहमति जताई थी। फिर भी वह फैसले हुए।

कांग्रेस नेता व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने इस दौरान न सिर्फ आयोग के काम-काज पर गंभीर सवाल खड़े किए है बल्कि सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे का मांग की है। अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी ने तो उन्हें तुरंत गिरफ्तार करने जैसी मांग भी की है। कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने बुधवार को पत्रकारवार्ता में सीईसी ज्ञानेश कुमार पर आयोग को हाईजैक करने और आंतरिक मतभेदों को दबाने जैसे गंभीर आरोप लगाए है। उन्होंने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव आयोग के अन्य दो चुनाव आयुक्तों ने एसआईआर और फॉर्म-6 में बदलाव को लेकर कई लिखित आपत्तियां व असहमति नोट दर्ज कराए थे, लेकिन सीईसी ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने कहा कि सीईसी का यह रवैया तब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 1995 में अपने एक फैसले में यह साफ किया है कि चुनाव आयोग एक बहु-सदस्यीय संस्था है, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त अन्य आयुक्तों से श्रेष्ठ नहीं बल्कि एक बराबर के होते है, बस इस बराबरी में वह पहले नंबर में होते है। सिंघवी ने केंद्र सरकार व चुनाव आयोग पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि एक और गृह मंत्रालय और दूसरी ओर सीईसी मिलकर संवैधानिक संस्थाओं पर आंतरिक बुलडोजर चलाने जैसा काम कर रहे है। उन्होंने फार्म-6 में अनाधिकृत बदलाव और आईटी सिस्टम से जुड़े फैसलों पर पारदर्शिता की मांग की। वहीं राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने भी इस मुद्दे पर चुनाव आयोग को घेरा और सीईसी ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने एसआईआर की पूरी प्रक्रिया और पुराने चुनावों को रद करने जैसी मांग भी की। 'वोट चोरी भारतीय जनता के खिलाफ एक अपराध है और हमारे संविधान पर सीधा हमला है। इसे करने वाले बीजेपी, आरएसएस और चुनाव आयोग ने देशद्रोह का काम किया है। न्याय होकर रहेगा। मैं चुनाव आयोग और और उनके अफसरों को कह रहा हूं कि आप जो कर रहे हो गलत कर रहे हो। यह देश के खिलाफ है। समय आएगा और हम आपको पकडेंगे आप बचने वाले नहीं हैं। ' '24 अप्रैल 2026 को 73 विपक्षी राज्यसभा सांसदों ने सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने राज्यसभा के महासचिव को नया नोटिस दिया था। संसद का मानसून सत्र अभी तक समाप्त नहीं हुआ है। क्या सभापति अब उस लंबित नोटिस पर निर्णय लेंगे?

स्मृति ईरानी को फिर बड़ी जिम्मेदारी, छत्तीसगढ़-हरियाणा का प्रभारी बनाने के क्या हैं मायने

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने स्मृति ईरानी को फिर बड़ी जिम्मेदारी दी है। संगठन में बुधवार को हुए बड़े बदलाव के तहत पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ और हरियाणा का प्रभारी नियुक्त किया गया है। यानी स्मृति को दोहरी जिम्मेदारी मिली है। एक महीने पहले (अगस्त 2026) ही उन्हें बीजेपी का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया था और अब दो राज्यों का प्रभारी बनाया गया है। ये बताता है कि किस तरह स्मृति का कद एक बार फिर बीजेपी में बढ़ता जा रहा है।

पिछले (2024) लोकसभा चुनाव में स्मृति ईरानी को अमेठी में कांग्रेस के प्रत्याशी किशोरी लाल से हार का सामना करना पड़ा था। स्मृति को 372032 वोट मिले थे और वह दूसरे नंबर पर रही थीं, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल ने 539228 वोट हासिल करके स्मृति को पटखनी दे दी थी। इसके बाद उन्हें सरकार की जगह संगठन में एक्टिव किया गया था। एक महीने पहले यानी अगस्त 2026 को स्मृति ईरानी को

बड़ी जिम्मेदारी देते हुए बीजेपी ने नेशनल जनरल सेक्रेट्री बनाया था। इसके एक महीने बाद ही आज उन्हें दो बेहद अहम राज्यों की जिम्मेदारी दी गई है। बीजेपी के लिए छत्तीसगढ़ और हरियाणा दोनों ही सियासत की दृष्टि से बेहद अहम राज्य हैं। दोनों ही राज्यों में इस वक्त बीजेपी की सरकार है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी दोनों राज्यों में स्मृति ईरानी की रणनीति और राजनीतिक अनुभव का इस्तेमाल करना चाहती है। आने वाले चुनावों में स्मृति की चुनावी कौशल का फायदा बीजेपी को मिलने की पूरी उम्मीद है। अमेठी में मिली करारी हार के दो साल बाद बीजेपी ने स्मृति को बड़ी जिम्मेदारी दी है।

संपादक की कलम

धर्म नहीं यह धंधा है ?

ललित शर्मा
संपादक

हमारे देश की वर्तमान सरकार स्वयं को धर्म के अभिरक्षक के रूप में प्रचारित करती है। परन्तु इसे संयोग कहें या प्रयोग कि इसी सरकार के कार्यकाल में ऐसे अनेक किस्से सुनाई दे रहे हैं जिन्हें सुनकर देश के भोले भाले आस्थावान लोग स्वयं को ठगा हुआ सा महसूस कर रहे हैं। कहीं चढ़ावे,चंदे व दान की चोरी व लूट हो रही है तो कहीं देसी घी के नाम पर मिलावटी प्रसाद भक्तों को वितरित किया जा रहा है। भगवान् के दरबार में वी आई पी संस्कृति का विरोध तो आम भक्तजन दशकों से करते ही आ रहे हैं। दान,चढ़ावा या चंदे का जो पैसा मंदिर के रखरखाव,श्रद्धालुओं की सुख सुविधा उनके लंगर व खानपान आदि पर खर्च होना चाहिए वह पैसे धर्मस्थलों की व्यवस्था में लगे कुछ गिने चुने लोगों द्वारा बंदर बाँट किये जा रहे हैं। इसतरह का सबसे बड़ा मामला जून 2026 में अयोध्या के राम मंदिर में सामने आया जब मंदिर के काउंटिंग रूम में श्रद्धालुओं द्वारा भेंट किये गए चढ़ावे और नकदी की सुनियोजित तरीके से हेराफेरी किए जाने का खुलासा हुआ। इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पिछले दिनों सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की तकनीकी जांच में दान चोरी की कुल 105 घटनाएं कैद हैं। दान पात्रों से निकले कैश और आभूषणों की जब गिनती होती थी, तो व्यवस्था में लगे कर्मचारी नोटों की गड्डियों में चोरी से नोट निकालकर अलग कर उन्हें बाहर ले जाते थे। चोरी किए गए पैसों से आरोपियों ने अयोध्या और आसपास के इलाकों में जमीन, महंगी गाड़ियां और अन्य संपत्तियां खरीदी थीं। इस साजिश में शामिल 8 मुख्य आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। जांच एजेंसियों ने आरोपियों के ठिकानों से अब तक लगभग 79.85 लाख नकद, सोने के आभूषण, विदेशी मुद्रा और चोरी के पैसों से खरीदी गई संपत्तियों के दस्तावेज बरामद किए हैं। इस घटना के बाद अब पूर्व सैन्य अधिकारी जितेन्द्र मिश्रा को मंदिर ट्रस्ट का नया सीईओ नियुक्त किया गया है। इसी तरह भारत के और भी कई बड़े और प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में समय–समय पर दान, चंदे और चढ़ावे की चोरी या वित्तीय कुप्रबंधन के बड़े व गंभीर मामले सामने आते रहे हैं। जैसे कि मुंबई के सबसे प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर में दान के प्रबंधन को लेकर अगस्त 2026 में एक बड़ा विवाद सामने आया। एक संगठन द्वारा मंदिर में हर साल लगभग 18 करोड़ की हेराफेरी का आरोप लगाया गया। मंदिर के ट्रस्ट बोर्ड ने स्वीकार भी किया कि दान संग्रह और गिनती की प्रक्रिया में कुछ कमियां थीं। इस मामले में 9 कर्मचारियों को गिरफ़्तार किया गया और 46 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया। इसी तरह महाराष्ट्र में ही अहमदनगर जिले के प्रसिद्ध शनि शिंगणापुर मंदिर ट्रस्ट में जुलाई 2025 में एक बहुत बड़े और अनोखे घोटाले का पदार्फाश हुआ। शातिर लुटेरों ने मंदिर के नाम पर 15 से अधिक फर्जी मोबाइल ऐप्स और वेबसाइट्स बना रखी थीं। भक्तों से 'रिमोट दर्शन' और 'विशेष पूजा' के नाम पर 1,800 प्रति व्यक्ति तक वसूला जाता था। बताया जाता है कि यह ऑनलाइन दर्शन घोटाला करीब 36 करोड़ से 500 करोड़ के बीच का था। मंदिर प्रशासन के कुछ लोगों ने कागजों पर सैकड़ों फर्जी कर्मचारियों के नाम दर्ज कर रखे थे और उनके नाम पर आने वाली तनख़्वाह खुद हड़प रहे थे। मिसाल के तौर पर मंदिर के अस्पताल में 327 कर्मचारी दिखाए गए थे, जबकि वहां केवल 4 डॉक्टर और 10 स्टाफ मौजूद था। एक ऐसे बगीचे के रखरखाव के नाम पर जो वहां था ही नहीं,80 कर्मचारियों की तनख़्वाह उठाई जा रही थी। आंध्र प्रदेश के विश्व के सबसे अमीर मंदिरों में से एक तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर या तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में भी सीधे दान पात्र से चोरी के कई छोटे–बड़े मामले सामने आते रहे हैं। मंदिर में 'विशेष प्रवेश' और वीआईपी दर्शन टिकटों की कालाबाजारी के कई रैकेट पकड़े जा चुके हैं, जहां फर्जी सिफारिशी पत्रों के आधार पर करोड़ों रुपये के टिकट ऊंचे दामों पर बेचे गए।

लज्जा भी हो रही शर्मसार

उदय कशोर साह

कविता

नफरत की इस भरी बाजार में
फितरत की खुल गई है दुकान
घृणा द्वेष बंद डब्बे में बिक रहा
फिर भी जग में है आज महान

भेंड़चाल की इस कायनात में
लुप्त हो रहे आज सभ्य इन्सान
शराफत बैठ डेवढी में रोता है
लफंगे पाते इस जग में सम्मान

जलालत की इस गंदी नाला में
लम्पट बन बैठा है ढोंगी गुणवाण
मूरख की महफिल में मेरे भाई
धोखेबाज बन बैठा है। धनवान

जरायमपेशा की इस दुनियां में
असलेह बना ईमानदार जहान
ईमानदारी आँधी में ढ़ह गई
ईमान का तन हुआ लहू लुहान

बेशरमी की इस संसार में
लज्जा भी हो गई है शर्मसार
कैसे कैसे रंग चेहरे पे हैं . आये
फिर भी ये है इस जग में महान

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

पत्रकार कौन है और प्रचारक कौन?

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

आज के दौर में यह पहचानना पहले से कहीं अधिक कठिन होता जा रहा है कि पत्रकार कौन है और प्रचारक कौन। समाचार माध्यमों की संख्या बढ़ी है, सूचना के स्त्रोत बढ़े हैं और सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात कहने का मंच दिया है। लेकिन इसी विस्तार के बीच पत्रकारिता की मूल भूमिका को लेकर एक गंभीर प्रश्न खड़ा हुआ है–क्या पत्रकारिता अभी भी सत्ता से सवाल करने का माध्यम है, या वह राजनीतिक और वैचारिक खेमेबंदी का हिस्सा बनती जा रही है? यह प्रश्न किसी एक व्यक्ति, संस्था, चैनल या विचारधारा तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र में पत्रकारिता की विश्वसनीयता का प्रश्न इससे कहीं व्यापक है।

आज मीडिया पर अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि पत्रकारिता दो स्पष्ट खेमों में बंट गई है। एक खेमा सत्ता की लगभग हर नीति, निर्णय और बयान का बचाव करता दिखाई देता है, जबकि दूसरा सत्ता के लगभग हर कदम में कमी या दोष तलाशता नजर आता है। दोनों के अपने दर्शक, पाठक और समर्थक हैं। दोनों के पास अपने तर्क हैं और दोनों के आसपास अपनी-अपनी वैचारिक भीड़ है। समस्या यह नहीं कि पत्रकार सत्ता की आलोचना करता है या किसी नीति का समर्थन करता है। समस्या तब पैदा होती है जब पत्रकार की भूमिका ही किसी राजनीतिक पक्ष के समर्थन या विरोध तक सीमित हो जाए। पत्रकारिता का काम सत्ता के पक्ष में खड़ा होना नहीं है। लेकिन उसका काम केवल सत्ता के विरोध में खड़ा होना भी नहीं है। उसका वास्तविक दायित्व सत्ता के सामने खड़ा होकर सवाल पूछना है। लोकतंत्र में सत्ता किसी एक दल, नेता या सरकार का निजी अधिकार नहीं होती। सत्ता जनता से प्राप्त जिम्मेदारी है और पत्रकारिता उस जिम्मेदारी की सार्वजनिक निगरानी का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए पत्रकार का पहला दायित्व किसी पार्टी, नेता या विचारधारा के प्रति नहीं, बल्कि तथ्यों, संविधान, लोकतांत्रिक संस्थाओं और जनहित के प्रति होना चाहिए। यही कारण है कि पत्रकारिता में सवाल पूछना सबसे महत्वपूर्ण काम है। सरकार कोई निर्णय ले तो सवाल होना चाहिए कि वह निर्णय क्यों लिया गया, उसका उद्देश्य क्या है, उसका लाभ किसे मिलेगा, उसका नुकसान किसे उठाना पड़ेगा, उसके लिए कितना सार्वजनिक धन खर्च होगा और उसके परिणामों को कैसे मापा जाएगा। इसी तरह विपक्ष कोई दावा करे तो सवाल होना चाहिए कि उस दावे के तथ्य क्या हैं, उसका आधार क्या है, क्या उसका कोई वैकल्पिक प्रस्ताव है और उसके वादे कितने व्यावहारिक हैं। सवाल का पैमाना व्यक्ति या दल नहीं, तथ्य और जनहित होना चाहिए। आज पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल राजनीतिक दबाव नहीं है। एक दूसरी चुनौती भी उतनी ही गंभीर है–दर्शकों और पाठकों की पसंद। लोग अक्सर वही सुनना चाहते हैं जो उनकी पहले से बनी धारणा की पुष्टि करता हो।

व्यवसाय

युवाओं का 'बाइटफास्ट' स्टार्टअप: प्राकृतिक खाद्य उत्पादों से स्वरोजगार की नई मिसाल

गाजियाबाद: जहाँ आज का युवा नौकरी की तलाश में महानगरों का रुख करता है, वहीं गाजियाबाद के दो प्रतिभावान युवाओं ने स्वरोजगार की एक अनुपम मिसाल पेश की है। 'बाइटफास्ट' (Bitefast) नामक नए स्टार्टअप के माध्यम से इन युवाओं ने कृषि–खाद्य प्रसंस्करण (Agro-processing) के क्षेत्र में कदम रखा है, जो न केवल खाद्य सामग्री की बबार्दी रोकेगा बल्कि लोगों को पूरी तरह से प्राकृतिक और रसायन–मुक्त (Chemical-free) उत्पाद उपलब्ध कराएगा।

90% नमी कम कर बढ़ाई शेल्फ लाइफ

'ऑक्सिर्यन फूड्स प्राइवेट लिमिटेड' (Orxion Foods Pvt. Ltd.) के बैनर तले शुरू हुए इस उद्यम में फल और सब्जियों को डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण) प्रक्रिया से गुजारा जाता है। आमतौर पर घरों में रखे जाने वाले बीटरूट (चुकंदर) और लहसुन कुछ ही दिनों में खराब होने लगते हैं, लेकिन इस तकनीक से इनमें मौजूद जल अंश को सुखाकर नमी का स्तर 90% तक कम कर दिया जाता है। इससे हवा के संपर्क में आने के बाद भी उत्पाद खराब नहीं होते। इस प्रक्रिया के जरिए इन उत्पादों की शेल्फ लाइफ 12 से 24 महीने तक बढ़ जाती है।

बेमौसम महँगाइयों पर लगेगी लगाम

संस्थापकों का मानना है कि इस पहल से न केवल जल्दी खराब होने वाली (Perishables) वस्तुओं को संरक्षण मिलेगा, बल्कि मौसमी फल और सब्जियां भी पूरे वर्ष उपभोक्ताओं को आसानी से मिल सकेंगी। कई बार बेमौसम के चलते सब्जियों के दाम आसमान छूने लगते हैं, ऐसे में यह तकनीक बाजार में संतुलन बनाने में कारगर साबित होगी।

चार उत्पादों से हुई शुरूआत, 15 तक ले जाने का है लक्ष्य

ऑक्सिर्यन फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री प्रविंदर बर्तवाल का कहना है कि हमारा एकमात्र उद्देश्य जन–साधारण तक शुद्धता और प्रकृति के असली पोषक तत्व पहुँचाना है। वर्तमान में इस स्टार्टअप के तहत चार प्रमुख उत्पादों– स्प्रे ड्राइड बीटरूट पाउडर, डिहाइड्रेटेड मोरिंगा पाउडर, डिहाइड्रेटेड गार्लिक पाउडर और डिहाइड्रेटेड गार्लिक फ्लेक्स– की लॉन्चिंग की गई है। निकट भविष्य में इस उत्पाद श्रृंखला का विस्तार कर इनकी संख्या 12 से 15 तक ले जाने की योजना है।

युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बना यह कदम

स्थानीय स्तर पर इस प्रकार के नवाचार न केवल गाजियाबाद के औद्योगिक परिदृश्य को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि अन्य युवाओं के लिए भी उद्यमशीलता के नए द्वार खोल रहे हैं। समाज और प्रशासन स्तर पर ऐसे स्वदेशी व स्टार्टअप प्रयासों को बढ़ावा मिलना चाहिए, ताकि यह अभिनव पहल नई ऊँचाइयों को छुए और जिले का नाम रोशन करे। ये सभी प्रोडक्ट Amazone पर भी उपलब्ध है!

निजी विश्वविद्यालय: वैज्ञानिक जवाबदेही की पुकार

डॉ विजय गर्ग
लेखक

निजी विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। उन्होंने व्यावसायिक पाठ्यक्रमों तक पहुँच बढ़ाई है, नए अकादमिक कार्यक्रम शुरू किए हैं, प्रयोगशालाओं और बुनियादी ढाँचे में निवेश किया है तथा अनुसंधान और नवाचार के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। कई स्थानों पर उन्होंने विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रौद्योगिकी, डेटा विज्ञान, नवीकरणीय ऊर्जा और आधुनिक इंजीनियरिंग जैसे उभरते क्षेत्रों से जुड़ने के अवसर भी प्रदान किए हैं।

लेकिन इस विस्तार के साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ती है। विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ प्रदान करने वाली संस्था नहीं है। यह ज्ञान, वैज्ञानिक अनुसंधान, युवा मन और अंततः समाज के भविष्य की जिम्मेदारी संभालने वाली संस्था है। इसलिए अकादमिक स्वतंत्रता के साथ अकादमिक जिम्मेदारी और वैज्ञानिक महत्वाकांक्षा के साथ जवाबदेही भी आवश्यक है।

विज्ञान को प्रमाण की आवश्यकता होती है

विज्ञान की नींव प्रमाण है। वैज्ञानिक दावे परीक्षण योग्य होने चाहिए, अनुसंधान की विधियाँ पारदर्शी होनी चाहिए, आँकड़ों का जिम्मेदारी से उपयोग होना चाहिए और निष्कर्षों को जाँच-पड़ताल के लिए खुला रहना चाहिए। सरकारी हो या निजी, प्रत्येक विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी है कि वह इन सिद्धांतों की रक्षा करे।

अनुसंधान को केवल प्रकाशित शोध-पत्रों, सम्मेलनों में भागीदारी या घोषित परियोजनाओं की संख्या से नहीं मापा जा सकता। गुणवत्ता उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी मात्रा। एक स्वस्थ अनुसंधान वातावरण शोधकताओं को कठिन प्रश्न पूछने, परिणामों को ईमानदारी से प्रस्तुत करने, सीमाओं को स्वीकार करने और प्रमाण की माँग होने पर अपनी धारणाओं में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इसलिए वैज्ञानिक जवाबदेही का आधार एक सरल सिद्धांत है–ज्ञान की खोज, दिखावे की खोज से अधिक महत्वपूर्ण होनी चाहिए।

इमारतों और रैंकिंग से परे

आधुनिक विश्वविद्यालय अक्सर शानदार परिसर, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और आकर्षक अकादमिक कार्यक्रमों को प्रमुखता देते हैं। ये सुविधाएँ शिक्षा की गुणवत्ता में योगदान कर सकती हैं, लेकिन केवल बुनियादी ढाँचा ही किसी मजबूत विश्वविद्यालय का निर्माण नहीं करता।

किसी संस्था की वास्तविक शक्ति अध्यापन की गुणवत्ता, अनुसंधान की ईमानदारी, शिक्षकों की विशेषज्ञता, विद्यार्थियों के सीखने, प्रयोगशाला प्रक्रियाओं, अकादमिक स्वतंत्रता, नैतिक मानकों तथा उसके विद्यार्थियों और शोधकताओं के समाज में योगदान से दिखाई देती है।

किसी विश्वविद्यालय के पास आधुनिक इमारतें और उन्नत उपकरण हो सकते हैं, लेकिन यदि विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने, जाँच करने और स्वतंत्र रूप से सोचने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता, तो उस बुनियादी ढाँचे का शैक्षिक महत्व सीमित रह जाता है।

अनुसंधान की ईमानदारी केंद्र में हो

वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ गहरी नैतिक जिम्मेदारी जुड़ी होती है। आँकड़ों की जालसाजी, परिणामों में हेरफेर, साहित्यिक चोरी, अनुचित लेखकीय श्रेय और अकादमिक दुराचार के अन्य रूप केवल किसी एक शोधकर्ता को ही नहीं, बल्कि पूरी संस्था की विश्वसनीयता को नुकसान पहुँचा सकते हैं।

इसलिए निजी विश्वविद्यालयों में अनुसंधान नैतिकता, प्लेजरिज्म की जाँच, डेटा प्रबंधन, हितों के टकराव की घोषणा तथा गंभीर आरोपों की स्वतंत्र जाँच के लिए मजबूत प्रणालियाँ होनी चाहिए। ये प्रणालियाँ केवल नियमों का पालन करने के लिए नहीं होनी चाहिए, बल्कि इन्हें अकादमिक संस्कृति का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। युवा शोधकर्ता केवल पुस्तकों से नहीं सीखते, वे अपने शिक्षकों और संस्थाओं के व्यवहार से भी सीखते हैं। यदि प्रयोगशालाओं और कक्षाओं में ईमानदारी को मूल सिद्धांत बनाया जाए तो विद्यार्थी भी इस मूल्य को अपने पेशेवर जीवन में आगे ले जाते हैं।

जवाबदेही का अर्थ अकादमिक स्वतंत्रता को दबाना नहीं

जवाबदेही और नियंत्रण में महत्वपूर्ण अंतर है। वैज्ञानिक जवाबदेही का अर्थ यह नहीं है कि शोधकताओं को पहले से तय निष्कर्ष प्रस्तुत करने के लिए कहा जाए। इसके विपरीत, वास्तविक विज्ञान के लिए बौद्धिक स्वतंत्रता आवश्यक है। शोधकताओं को स्थापित विचारों को चुनौती देने, नए प्रश्नों की जाँच करने और ऐसे परिणाम प्रकाशित करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए जो अपेक्षित निष्कर्षों से मेल न भी खाते हों, बशर्ते वे नैतिक और कानूनी मानकों का पालन करें। जवाबदेही का अर्थ है कि शोधकर्ता यह स्पष्ट कर सके कि अनुसंधान कैसे किया गया, कौन-से प्रमाण उसके निष्कर्षों का समर्थन करते हैं और उसके शोध की सीमाएँ क्या हैं। विश्वविद्यालय को ऐसा वातावरण बनाना चाहिए जहाँ शोधकर्ता कह सके–'प्रमाण यह दशार्ते हैं', न कि उस पर यह दबाव हो कि वह कहे–'संस्था यह दिखाना चाहती है।'

अनुसंधान निधियों का पारदर्शी उपयोग

अनुसंधान के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है। प्रयोगशालाओं, उपकरणों, क्षेत्रीय अध्ययनों, छात्रवृत्तियों और शोध कर्मियों के लिए निवेश आवश्यक है। जब वैज्ञानिक कार्य के लिए सरकारी या निजी निधियों का उपयोग किया जाता है, तो पारदर्शिता और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। विश्वविद्यालयों में अनुसंधान अनुदान, खरीद, परियोजना व्यय और रिपोर्टिंग के लिए स्पष्ट प्रक्रियाएँ होनी चाहिए। शोधकताओं को अपने संबंधित हितों के टकराव के बारे में भी पारदर्शी रहने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वित्तीय जवाबदेही और वैज्ञानिक जवाबदेही आपस में जुड़ी हुई हैं। संसाधनों का दुरुपयोग अनुसंधान को कमजोर कर सकता है, जबकि खराब अनुसंधान प्रक्रियाएँ उन संसाधनों को भी व्यर्थ कर सकती हैं जिनका उपयोग महत्वपूर्ण शोध के लिए किया जा सकता था।

शिक्षकों की गुणवत्ता महत्वपूर्ण है

किसी विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक संस्कृति उसके शिक्षकों से बहुत प्रभावित होती है। इसलिए नियुक्ति और पदोन्नति में विषय विशेषज्ञता, अध्यापन क्षमता, अनुसंधान की गुणवत्ता, नैतिक आचरण और वास्तविक अकादमिक योगदान को महत्व दिया जाना चाहिए। केवल प्रकाशित शोध-पत्रों की संख्या किसी विद्वान के योगदान की पूरी तस्वीर प्रस्तुत नहीं करती। शिक्षकों को अपने विषय से लगातार जुड़े रहने, नया ज्ञान प्राप्त करने और कक्षा-शिक्षण को अपने विषय के समकालीन विकास से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

कर्ज पर खड़ी अर्थव्यवस्था: समृद्धि का भ्रम और आने वाली पीढ़ियों का आर्थिक बोझ

एनके शर्मा
लेखक

आज की दुनिया आर्थिक विकास के जिस चमकदार आवरण को अपनी उपलब्धि मान रही है, उसके भीतर एक ऐसी सच्चाई आकार ले रही है, जिसे लंबे समय तक नजरअंदाज करना आने वाली पीढ़ियों के लिए भारी पड़ सकता है। ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कें, विशाल परियोजनाएँ, बढ़ता उपभोग, आसान ऋण और लगातार बढ़ता सरकारी खर्च–इन सबको अक्सर समृद्धि के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन यदि इस समृद्धि का बड़ा हिस्सा वर्तमान आय से नहीं, बल्कि भविष्य की आय को गिरवी रखकर निर्मित हो रहा हो, तो प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि यह विकास वास्तव में कितना टिकाऊ है?

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के अप्रैल 2026 के Fiscal Monitor के अनुसार 2025 में वैश्विक सकल सार्वजनिक ऋण लगभग 94 प्रतिशत GDP तक पहुँच गया और मौजूदा परिस्थितियों में 2029 तक 100 प्रतिशत GDP तक पहुँचने का अनुमान है। वैश्विक राजकोषीय घाटा भी 2025 में लगभग 5 प्रतिशत GDP रहा। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि वैश्विक स्तर पर ब्याज भुगतान का बोझ केवल चार वर्षों में GDP के लगभग 2 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 3 प्रतिशत हो गया है। इन आँकड़ों का अर्थ यह नहीं कि हर कर्ज खराब है। अर्थव्यवस्था में ऋण का अपना महत्वपूर्ण स्थान है। यदि सरकार उधार लेकर ऐसी सड़क, रेल, बंदरगाह, बिजली व्यवस्था, सिंचाई परियोजना, शिक्षा या तकनीकी आधारभूत संरचना तैयार करती है, जिससे भविष्य में उत्पादन और रोजगार बढ़ता है, तो वह ऋण आर्थिक क्षमता निर्माण का साधन बन सकता है। समस्या तब शुरू होती है जब ऋण का इस्तेमाल उत्पादक परिसंपत्ति बनाने के बजाय लगातार बढ़ते राजकोषीय घाटे, अल्पकालिक राजनीतिक लोकप्रियता, गैर-लक्षित सब्सिडी या पुराने कर्ज के ब्याज को चुकाने में होने लगे। तब अर्थव्यवस्था विकास नहीं, बल्कि ऋण-प्रबंधन के चक्र में प्रवेश करने लगती है। कर्ज की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसका लाभ वर्तमान पीढ़ी को दिखाई देता है, लेकिन उसकी कीमत अक्सर भविष्य की पीढ़ी चुकाती है। आज सरकार उधार लेकर खर्च करती है तो सड़क, भवन, सहायता, वेतन या सब्सिडी तत्काल दिखाई देती है। मतदाता को तत्काल सुविधा मिलती है, सरकार को तत्काल उपलब्धि दिखाने का अवसर मिलता है और राजनीतिक व्यवस्था को तत्काल राहत मिलती है। लेकिन ऋण की मूल राशि और ब्याज भविष्य के बजट से निकलते हैं। अर्थात आज का निर्णय कल के करदाताओं की आय पर दावा पैदा करता है। यही कारण है कि ऋण को केवल उसकी कुल राशि से नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता से समझना चाहिए। एक लाख करोड़ रुपये का ऋण यदि भविष्य में दो लाख करोड़ रुपये की उत्पादक क्षमता उत्पन्न करता है तो उसका आर्थिक अर्थ अलग है; वही ऋण यदि केवल वर्तमान उपभोग में समाप्त हो जाए और भविष्य में कोई आय न पैदा करे तो उसका बोझ पूरी तरह अलग है। वास्तविक चुनौती यही है कि सरकारें कितना उधार ले रही हैं, इससे अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न है–उधार लेकर क्या बनाया जा रहा है और उसकी वापसी कौन करेगा? विश्व बैंक के International Debt Report 2025 और उसके विश्लेषण से भी स्पष्ट होता है कि निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में ऋण-सेवा का दबाव विकास की क्षमता को प्रभावित कर रहा है। 2024 में 89 निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में 21 देशों ने अपने सरकारी राजस्व का 20 प्रतिशत से अधिक केवल ब्याज भुगतान पर खर्च किया। 2017 में ऐसे देशों की संख्या केवल 9 थी। यह स्थिति बताती है कि ऋण का संकट केवल सरकारी खातों की समस्या नहीं है; जब राजस्व का बड़ा हिस्सा ब्याज में चला जाता है, तब शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, अनुसंधान और सामाजिक सुरक्षा के लिए उपलब्ध संसाधन सीमित हो जाते हैं। सबसे खतरनाक स्थिति तब पैदा होती है जब आर्थिक वृद्धि की दर ऋण पर लगने वाली प्रभावी ब्याज दर से लगातार कम रहने लगे। ऐसी परिस्थिति में सरकार को पुराने ऋण को स्थिर रखने के लिए अधिक प्राथमिक अधिशेष, अधिक राजस्व या कम खर्च की आवश्यकता होती है। यदि ऐसा नहीं होता तो ऋण का अनुपात बढ़ता रहता है। इसे सरल भाषा में समझें तो परिवार की आय 10 लाख हो और वह हर वर्ष अपनी आय से अधिक खर्च करे, तो शुरूआती वर्षों में बैंक ऋण सुविधा जैसा लगता है; लेकिन कुछ समय बाद ब्याज ही आय का बड़ा हिस्सा खा सकता है। सरकारों के लिए भी आर्थिक गणित का मूल सिद्धांत अलग नहीं है। दुनिया को अब एक और बदलाव का सामना करना पड़ रहा है–सस्ता कर्ज हमेशा उपलब्ध नहीं रहेगा। IMF के अनुसार लंबे समय की ब्याज दरें कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं में बहु-दशकीय ऊँचाइयों पर बनी हुई हैं और पुराने ऋणों के पुनर्वित्त के साथ सरकारों की ब्याज लागत बढ़ रही है। इसका अर्थ है कि जिस ऋण को कम ब्याज दर के दौर में संभालना आसान था, वही ऋण अधिक ब्याज दर के वातावरण में बजट पर कहीं बड़ा दबाव डाल सकता है। ऋण का दूसरा छिपा हुआ प्रभाव निजी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। जब सरकार लगातार बड़े पैमाने पर बाजार से धन उधार लेती है, तो वित्तीय संसाधनों पर प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। ब्याज दरों और पूंजी की लागत पर दबाव बढ़ने से निजी उद्योगों के लिए निवेश महँगा हो सकता है। परिणामस्वरूप जिस अर्थव्यवस्था में सरकार का ऋण निजी निवेश को बढ़ावा देने के बजाय संसाधनों पर दबाव डालने लगे, वहाँ रोजगार और उत्पादकता की गति प्रभावित हो सकती है। इसका अर्थ यह भी नहीं कि हर सरकारी घाटा या सार्वजनिक ऋण अनिवार्य रूप से विनाशकारी है। युद्ध, महामारी, प्राकृतिक आपदा, आर्थिक मंदी या असाधारण संकट के समय सरकारों को उधार लेकर अर्थव्यवस्था को संभालना पड़ सकता है। कोविड-19 के दौरान दुनिया के अनेक देशों ने ऐसा ही किया।

मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना और भारत टैक्सी के शुभारंभ, हापुड़ में सीधा प्रसारण

लघु एवं सीमांत किसानों को छह लाख रुपये तक का दीर्घकालीन कृषि ऋण, पांच वर्षों में पांच लाख किसानों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना एवं भारत टैक्सी के शुभारंभ कार्यक्रम का हापुड़ कलेक्ट्रेट सभागार में सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सहकारिता विभाग तथा उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड की ओर से किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सहकारी बैंक के पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा तथा दोनों योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के संयोजक उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड के निदेशक सतीश प्रधान रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, जिलाधिकारी कविता मीना, मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, सांसद प्रतिनिधिगण, उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक की विभिन्न शाखाओं के शाखा अध्यक्ष, जिला सहकारी बैंक लिमिटेड गाजियाबाद के निदेशकगण, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

छह लाख रुपये तक का दीर्घकालीन कृषि ऋण

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि योजना का मुख्य उद्देश्य लघु एवं सीमांत किसानों को सुलभ और रियायती दर पर दीर्घकालीन कृषि ऋण उपलब्ध कराना है, ताकि उनकी कृषि उत्पादकता और आय में वृद्धि हो सके। योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को छह लाख रुपये तक का दीर्घकालीन ऋण छह प्रतिशत की प्रभावी ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जाएगा। समय से ऋण की किस्तों का भुगतान करने वाले पात्र किसानों को राज्य सरकार की ओर से ब्याज अनुदान का लाभ भी दिया जाएगा। इससे किसानों को कृषि कार्यों के लिए आवश्यक पूंजी उपलब्ध कराने के साथ ऋण का आर्थिक बोझ कम करने में मदद मिलेगी। योजना के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से 384 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। आगामी पांच वर्षों में करीब पांच लाख किसानों को योजना से लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

योजना के तहत किसानों को केवल कृषि कार्यों के लिए ही नहीं, बल्कि कृषि आधारित अन्य गतिविधियों और आवश्यक पूंजीगत निवेश के लिए भी ऋण सुविधा उपलब्ध कराए जाने की जानकारी दी गई। ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था पर भी जोर दिया गया है। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड की जनपद हापुड़ स्थित विभिन्न शाखाओं के ऐसे ऋणी सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जो समय से अपने ऋण की अदायगी कर रहे हैं। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने समय पर ऋण भुगतान करने वाले किसानों के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के उद्देश्यों, किसानों के हित में सहकारिता विभाग की भूमिका और भारत टैक्सी से जुड़ी पहल की जानकारी दी। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए विभागीय स्तर पर प्रभावी प्रयास किए जाने चाहिए। सहकारी संस्थाओं के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को योजनाओं से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता, हापुड़ ने उपस्थित अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रमुख तथ्यः मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के लिए 384 करोड़ रुपये स्वीकृत, पांच वर्षों में पांच लाख किसानों को लाभ देने का लक्ष्य, पात्र किसानों को छह लाख रुपये तक का दीर्घकालीन ऋण छह प्रतिशत की प्रभावी ब्याज दर पर तथा भारत टैक्सी सहकारिता आधारित डिजिटल परिवहन सेवा के रूप में शुरू की गई।

भारत टैक्सी सेवा का भी शुभारंभ

इसी अवसर पर प्रदेश में भारत टैक्सी सेवा के शुभारंभ कार्यक्रम का भी सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि भारत टैक्सी सहकारी टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित सहकारी नेतृत्व वाला डिजिटल राइड–हेलिंग प्लेटफॉर्म है। इसके माध्यम से चालक सदस्य और हितधारक के रूप में जुड़ सकते हैं। भारत टैक्सी का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय और किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के साथ चालकों के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत, चालक गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। थाना पिलखुवा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मारकर ट्रक के नीचे कुचलने की घटना में आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार घटना में दोनों युवकों की मौत हो गई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना में प्रयुक्त ट्रक को भी बरामद कर लिया है। पुलिस द्वारा आरोपी चालक के विरुद्ध संबंधित धाराओं में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। मामले की जांच जारी है तथा घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

हापुड़ कलेक्ट्रेट पर किसानों का ने किया विशाल धरना-प्रदर्शन, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ पहुंचे हजारों किसान

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के तत्वावधान में बुधवार को हापुड़ कलेक्ट्रेट पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया गया। जिलाध्यक्ष पवन हूण गुर्जर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे और किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। धरने के दौरान किसानों ने गन्ने के भाव, गन्ना भुगतान, खाद की उपलब्धता, सहकारी समितियों, खतौनी में नाम सुधार, दाखिल-खारिज एवं वरासत सहित अन्य समस्याओं के समाधान की मांग की। जिलाध्यक्ष पवन हूण गुर्जर ने कहा कि गन्ना पेराई सत्र शुरू होने से पहले गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया जाए। साथ ही सिंभावली और ब्रजनाथपुर चीनी मिलों के बकाया भुगतान को लेकर समयसीमा सुनिश्चित की जाए। किसानों ने मांग की कि नए सत्र 2026-27 में जिस मिल द्वारा गन्ना खरीदा जाए, भुगतान की जिम्मेदारी भी उसी मिल की हो। किसानों ने सहकारी समितियों में किसानों के शेयर पर ब्याज देने, खतौनियों में गलत नामों को समय से सही कराने, बैनामे का दाखिल-खारिज 35 दिन के भीतर करने तथा विरासत संबंधी मामलों का समय से निस्तारण करने की मांग रखी। इसके अलावा यूरिया और डीएपी खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सहकारी बैंक के किसान क्रेडिट कार्ड की ऋण सीमा बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने की मांग भी उठाई गई। धरने में हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण से संबंधित मांगें भी प्रमुखता से रखी गईं। किसानों ने कहा कि प्राधिकरण द्वारा पूर्व में मान्यता प्राप्त पुराने भवनों को ध्वस्त न किया जाए। वहीं सड़क से 100 मीटर की पटरी छोड़कर बची किसानों की जमीन का नए सर्किल रेट के अनुसार मुआवजा देने तथा पूर्व की व्यवस्था के अनुसार छह प्रतिशत विकसित आवासीय भूखंड दिए जाने की मांग की गई। धरने की जानकारी मिलने पर हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण के सचिव, उपजिलाधिकारी हापुड़ सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने किसानों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने धरना शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त कर दिया। इस अवसर पर मोनू त्यागी, कटार सिंह, राधेलाल त्यागी, रबजीत सिंह, मनोज तोमर, कुलदीप त्यागी, जितेंद्र नागर, रवि भाटी, अशोक राणा, बबली दयानगर, अनिल हूण सहित बड़ी संख्या में किसान एवं संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वच्छता की सेवा 2026 के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/पिलखुवा। नगर पालिका परिषद, पिलखुवा कार्यालय में 'स्वच्छता की सेवा 2026' अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्रवासियों एवं उपस्थित लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई।इस दौरान लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा स्वच्छता के साथ अपने स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद पिलखुवा के चेयरमैन विभू बंसल सहित संबंधित लोग मौजूद रहे।

गन्ना किसानों की समस्याओं और बकाया भुगतान को लेकर धरना-

ब्याज सहित गन्ना भुगतान समेत विभिन्न मांगों को लेकर किसानों ने बुलंद की आवाज

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। गन्ना किसानों की विभिन्न समस्याओं एवं बकाया गन्ना मूल्य के भुगतान की मांग को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के आह्वान पर जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय, नई मंडी हापुड़ के समक्ष किसानों द्वारा धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार वी.एम. सिंह के आह्वान पर आयोजित इस धरने में किसानों ने गन्ना भुगतान से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। किसानों का कहना है कि गन्ने की फसल तैयार करने में किसान को लंबे समय तक मेहनत और आर्थिक संसाधन लगाने पड़ते हैं। ऐसे में गन्ने का भुगतान समय से न मिलने के कारण किसानों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किसानों ने बकाया गन्ना मूल्य का ब्याज सहित भुगतान किए जाने की मांग उठाई है।धरना-प्रदर्शन के दौरान किसानों ने अपनी अन्य समस्याओं को भी अधिकारियों के समक्ष रखा और मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की। संगठन की ओर से कहा गया कि किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों का समाधान होने तक आंदोलन जारी रखा जाएगा।धरने में किसानों ने एकजुट होकर अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाई और संबंधित विभाग से किसानों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द कार्रवाई किए जाने की मांग की। संगठन ने स्पष्ट किया कि किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

धौलाना तहसील का कानूनगो ₹50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों एंटी करप्शन टीम ने गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। जनपद के धौलाना तहसील में एंटी करप्शन टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तैनात कानूनगो बिजेंद्र सिंह को कथित तौर पर ₹50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी कानूनगो हापुड़ के लज्जापुरी क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है। जमीन से जुड़े एक मामले में रिश्वत मांगने की शिकायत मिलने के बाद एंटी करप्शन टीम ने कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने एंटी करप्शन टीम से संपर्क कर आरोप लगाया था कि जमीन से संबंधित काम के बदले उससे रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत मिलने के बाद टीम ने मामले का सत्यापन किया और आरोपी को पकड़ने के लिए योजना तैयार की। रिपोर्टों के मुताबिक, शिकायतकर्ता से कुल ₹1.50 लाख की रिश्वत मांगने का आरोप है। इसी क्रम में ₹50 हजार की रकम लेते समय कार्रवाई की गई।₹50 हजार लेते ही टीम ने दबोचा। एंटी करप्शन टीम ने योजना के तहत शिकायतकर्ता को आरोपी के पास भेजा। बताया गया कि जैसे ही आरोपी ने शिकायतकर्ता से ₹50 हजार लिए, पहले से मौजूद टीम ने उसे पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद टीम आरोपी कानूनगो को अपने साथ ले गई। मामले में नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा रही है। तहसील में कार्रवाई से मचा हड़कंम्प कानूनगो के रिश्वत लेते पकड़े जाने की खबर सामने आने के बाद तहसील से जुड़े लोगों में मामला चर्चा का विषय बन गया। एंटी करप्शन टीम अब मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही है। आरोपी के विरुद्ध लगाए गए आरोपों पर अंतिम निर्णय न्यायिक प्रक्रिया के बाद होगा।

ब्राह्मण परिवार पर फर्जी मुकदमा ! अधिवक्ताओं में आक्रोश

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली परिसर में युवक की संदिग्ध मौत मामले को लेकर पट्टी तहसील के अधिवक्ताओं ने बुधवार की सुबह ब्राह्मण परिवार पर हत्या का मुकदमा दर्ज किए जाने का विरोध करते हुए नारेबाजी की। विरोध प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित अधिवक्ताओं ने तहसील और रजिस्ट्री कार्यालय को बंद कर दिया और डीएम के आने तक अनवरत हड़ताल जारी रखते हुए विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी। बार एसोसिएशन पट्टी के अध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी की अगुवाई में तहसील के अधिवक्ताओं ने सुबह 10:30 बार भवन में एक बैठक की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि कोतवाली परिसर में हुई घटना बहुत ही दुखद और निंदनीय है इसके विरोध में तहसील में जहां तालाबंदी की गई तो वही रजिस्ट्री कार्यालय को भी अधिवक्ताओं ने बंद कर दिया इस बीच पट्टी तहसील गेट से लेकर रजिस्ट्री कार्यालय तक अधिवक्ताओं ने पुलिस प्रशासन मुदार्बाद के नारे लगाए। बार अध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी ने कहा कोतवाली परिसर में हुई घटना हत्या है सुसाइड नहीं है पुलिस अपनी नाकामी छुपा रही है, पुलिस सवर्ण और दलित समाज को लड़ाने का काम कर रही है, पुलिस अधीक्षक अभी तक क्रास मुकदमे का विरोध कर रहे थे तो पीड़ित परिवार पर क्यों मुकदमा दर्ज किया गया, युवक की मौत थाने के लाक अप में होती है तो गरीब ब्राह्मण परिवार पर मुकदमा क्यों किया गया। मामले में उन्होंने कहा की हाई कोर्ट से रिटायर्ड जज द्वारा पूरे मामले की जांच कराई जानी चाहिए मजिस्ट्रेटियल जांच पर उन्होंने भरोसा नहीं जताया है और पीड़ित ब्राह्मण परिवार को हर संभव मदद दिलाने के साथ ही डीएम व एसपी के आने तक अनवरत हड़ताल जारी रखने की चेतावनी दी। इस दौरान तहसील के अधिवक्ता दिलीप मिश्रा, रवी सिंह, नंदन चतुर्वेदी, अंबरीश तिवारी, अंजनी शुक्ल, शुभम सांडिल्य, रजनीश पाण्डेय, अनुराग त्रिपाठी, प्रदीप पाठक, संसार सिंह, अनुज मिश्र समेत सैकड़ो अधिवक्ता विरोध प्रदर्शन में शामिल रहे।

50 हजार का इनामी गैंगस्टर अजीत गिरफ्तार, 43 मुकदमों में था वांछित

वेलकम इंडिया संवाददाता

शाहजहांपुर। हापुड़ के 50 हजार रुपये के इनामी गैंगस्टर अजीत को लखनऊ एसटीएफ ने मंगलवार शाम शाहजहांपुर के रामचंद्र मिशन क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार अजीत गिरोह बनाकर लूट, चोरी और डकैती की घटनाओं को अंजाम देता था। उसके खिलाफ हापुड़, बुलंदशहर, मेरठ, गाजियाबाद समेत विभिन्न जिलों में 43 प्राथमिकी दर्ज हैं। पुलिस से बचने के लिए वह शाहजहांपुर में ठिकाना तलाश रहा था, लेकिन एसटीएफ ने उसकी लोकेशन ट्रेस कर उसे पकड़ लिया। हापुड़ के हैदरनगर निवासी अजीत ने वर्ष 2011 से अपराध की दुनिया में कदम रखा था। वह पिलखुवा में चोरी के एक मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस उसकी कई दिनों से तलाश कर रही थी, लेकिन वह लगातार ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बच रहा था। इसके बाद उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया और उसकी गिरफ्तारी के लिए लखनऊ एसटीएफ को लगाया गया। मंगलवार को एसटीएफ को अजीत के शाहजहांपुर में होने की जानकारी मिली। सूचना के आधार पर टीम ने रामचंद्र मिशन क्षेत्र में पहुंचकर उसकी तलाश शुरू की। शाम के समय पावर प्लांट के गेट के पास से एसटीएफ ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार अजीत और उसके गिरोह के सदस्य चोरी की घटनाओं को अंजाम देने के बाद दूसरे जिलों में चले जाते थे, जिससे पुलिस के लिए उन्हें पकड़ना मुश्किल हो जाता था। एसटीएफ निरीक्षक ओम शंकर शुक्ला और आशुतोष त्रिपाठी की टीम उसे गिरफ्तार करने के बाद लखनऊ ले गई। पुलिस के मुताबिक अजीत की पत्नी रेहाना भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रही है। आरोप है कि चोरी की घटनाओं के बाद वह चोरी किए गए सामान के बंटवारे में भूमिका निभाती थी।

किसान दिवस में किसानों ने उठाईं समस्याएं, सीडीओ ने निस्तारण के दिए निर्देश

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में विकास भवन के सभागार में मुख्य विकास अधिकारी डा0 राममोहन मीना की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान बैठक में सर्वप्रथम उप कृषि निदेशक अश्विनी कुमार सिंह. द्वारा उपस्थित कृषकों एवं कृषक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा अधिकारियों का अभिवादन किया गया तथा किसान दिवस आयोजन के उद्देश्य के संबध में अवगत कराया। विगत किसान दिवस की कार्यवृत्त में कृषकों की समस्याओं से सम्बन्धित प्राप्त आख्या को उप कृषि निदेशक द्वारा कृषकों से समक्ष पढ़कर सुनाया गया। कृषकों द्वारा अपने समस्याओं से सम्बन्धित प्रकरणों का निस्तारण होने पर संतोष व्यक्त किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सर्वप्रथम बैठक मे मौजूद कृषकों से समस्याओं एवं बहुमूल्य सुझाव उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया, जिसके क्रम में दिनेश तिवारी जिलाध्यक्ष भ0कि0यू0 ग्राम-खरबारी विकास खण्ड-बाबागंज के द्वारा अवगत कराया गया कि किसानों से खतौनी का शुल्क बढ़ा कर न लिया जाय जैसा कि तहसील कुण्डा में 20 रुपए प्रति खतौनी तहसील-लालगंज में 15 रुपए लिया जाता है, कुण्डा तहसील में भी शुल्क 15 रुपए ही लिया जाय, जिसके क्रम में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जॉच कर आवश्यक कार्यवाही किये जाने का आश्वासन दिया गया। किसान दिवस में विकास सिंह ग्राम सांगापट्टी विकास खण्ड बाबा बेलखरनाथ धाम द्वारा अवगत कराया गया है कि ग्राम पंचायत सांगापट्टी स्थित कठार गॉव में सरकारी अस्थाई गौशाला स्थल स्थित है। अवारा पशुओं को गौशाला के कर्मचारियों द्वारा छोड़ दिया जाता है, जिसके कारण चार-पॉच गॉव की फसल नष्ट हो जाती है, जिसके क्रम में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा पशु चिकित्साधिकारी को स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। विजय पाल तिवारी ग्राम-छतौना विकासखण्ड-आसपुर देवसरा द्वारा अवगत कराया गया है कि बिजली विभाग द्वारा स्मार्ट मीटर लगाया गया जिससे अत्यधिक बिजली का बिल आ रहा है, पुराना मीटर लगाने हेतु अनुरोध किया है, जिसके क्रम में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सम्बन्धित जे0ई0 को तत्काल समस्या का निस्तारण कराने हेतु निर्देश दिये गये। कुलदीप सिंह ग्राम-पूरेभरत विकासखण्ड-सण्डवाचन्द्रिका द्वारा अवगत कराया गया है कि 18000 रूपया की लागत से बायोगैस प्लान्ट की स्थापना की गयी है जिससे 4-5 लोगो का एक परिवार का भोजन आसानी से तैयार किया जा सकता है तथा गोबर संरक्षण करते हुए आर्गेनिक खाद भी तैयार की जाती है जिससे किसानों को अधिक लाभ है, जिसके क्रम में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जिला कृषि अधिकारी को निरीक्षण करने के निर्देश दिये गये है तथा मुख्य चिकित्साधिकारी को गौशालाओं पर स्थापित कराने के निर्देश दिये गये। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि कृषकों एवं आम जनमानस की किसी भी प्रकार की शिकायत एवं समस्या के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी।

विकसित भारत अभियान के अंतर्गत संकल्प दिवस के रूप में भाषण प्रतियोगिता आयोजित

नूरपुर (वेलकम इंडिया)। श्री हरिपाल शास्त्री स्मारक महाविद्यालय फीना, बिजनौर की राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में विकसित भारत अभियान के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयंसेवी छात्र–छात्राओं ने भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। तथा वंचितों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। प्रथम स्थान पर बीएससी प्रथम सेमेस्टर की छात्रा तन्वी तोमर रही। द्वितीय स्थान पर बीएससी प्रथम सेमेस्टर की छात्रा पूजा राजपूत रही। भाषण प्रतियोगिता में तृतीय स्थान पर बीएससी प्रथम सेमेस्टर की छात्रा जैबा रही। इसके अलावा दो छात्रों यशस्विनी तथा दिलशाद अहमद को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। भाषण प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र–छात्राओं को कॉलेज प्राचार्य डॉ अशोक कुमार शर्मा ने उपहार देकर पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन वनस्पति विज्ञान के प्रवक्ता सुषैन बाबू शर्मा ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ दलीप कुमार ने स्वयंसेवियों से अधिक से अधिक श्रमदान करने की अपील की। इस मौके पर कॉलेज प्राचार्य डॉ अशोक कुमार शर्मा ने कहा कि स्वयंसेवी भारत निर्माण में अपना अद्वितीय योगदान दें। इस मौके पर कॉलेज निदेशक ठाकुर आकाश शास्त्री, प्रतियोगिता की निर्णायक छाया राजपूत, रुक्मिणी देवी आदि रहे।

नवागत जिलाधिकारी अनुज मलिक ने संभाला कार्यभार

जनकल्याणकारी योजनाओं का जमीनी स्तर पर शत-प्रतिशत क्रियान्वयन और जनसमस्याओं का समयबद्ध निस्तारण प्राथमिकता : डीएम

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद की नवागत जिलाधिकारी अनुज मलिक ने पूर्वाह्न कलेक्ट्रेट स्थित कोषागार पहुंचकर डबल लॉक में आवश्यक अभिलेखों पर हस्ताक्षर किए और संतकबीरनगर के जिलाधिकारी पद का कार्यभार ग्रहण किया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्य प्रकाश, मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी और वरिष्ठ कोषाधिकारी त्रिभुवन लाल मौजूद रहे। कार्यभार ग्रहण करने के बाद नवागत जिलाधिकारी का कलेक्ट्रेट में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वागत किया। अपर जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, उपायुक्त श्रम एवं रोजगार, उप जिलाधिकारीगण और सूचना अधिकारी समेत अन्य अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। उल्लेखनीय है कि नवागत जिलाधिकारी अनुज मलिक 2017 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। इससे पहले वह गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर कार्य कर चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने कुशीनगर में मुख्य विकास अधिकारी समेत विभिन्न जनपदों और प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। जिलाधिकारी का पदभार ग्रहण करने के बाद अनुज मलिक ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों का परिचय जाना और विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली को लेकर संवाद किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की नीतियों और विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित जनकल्याणकारी एवं लाभार्थीपरक योजनाओं का जमीनी स्तर पर शत-प्रतिशत क्रियान्वयन उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे और सरकारी योजनाओं का प्रभाव जमीन पर दिखाई दे, इसके लिए अधिकारी गंभीरता से कार्य करें। उन्होंने आम जनता की समस्याओं के समाधान को भी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाए और उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि इस दिशा में सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है तथा उनसे पूरी संवेदनशीलता और सहयोग की अपेक्षा है। बैठक में उपायुक्त श्रम एवं रोजगार प्रभात द्विवेदी, उपायुक्त एनआरएलएम प्रवीण कुमार शुक्ला, परियोजना निदेशक विजयंत सिंह, अपर उप जिलाधिकारी सुधीर कुमार, उप जिलाधिकारी खलीलाबाद हृदय राम तिवारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी त्रिभुवन लाल और सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कलेक्ट्रेट कर्मचारी उपस्थित रहे।

जर्जर विद्यालय भवन और बाउंड्रीवाल के ध्वस्तीकरण की मांग, प्रधानाध्यापक ने बीईओ को भेजा गया पत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकासखंड सेमरियावां के उच्च प्राथमिक विद्यालय (यूपीएस) पचदेउरा कम्पोजिट के प्रधानाध्यापक ने खंड शिक्षा अधिकारी सेमरियावां को पत्र भेजकर विद्यालय के जर्जर भवन और बाउंड्रीवाल का तकनीकी निरीक्षण कराकर आवश्यकतानुसार ध्वस्तीकरण कराने तथा नए भवन और बाउंड्रीवाल का निर्माण कराए जाने की मांग की है। प्रधानाध्यापक ने अपने पत्र में बताया कि विद्यालय भवन और उसकी बाउंड्रीवाल वर्तमान समय में अत्यंत जर्जर एवं जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। भवन और बाउंड्रीवाल के कई हिस्से काफी कमजोर हो चुके हैं, जिससे इनके अचानक गिरने की आशंका बनी हुई है। ऐसी स्थिति में किसी भी समय अप्रिय घटना होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

विद्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षक एवं अन्य कर्मचारी आते-जाते हैं। ऐसे में जर्जर भवन और बाउंड्रीवाल के आसपास विद्यार्थियों तथा विद्यालय स्टाफ की मौजूदगी सुरक्षा की दृष्टि से चिंता का विषय बनी हुई है। प्रधानाध्यापक ने पत्र के माध्यम से अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए जल्द आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। प्रधानाध्यापक ने खंड शिक्षा अधिकारी से अनुरोध किया है कि विद्यालय भवन और जर्जर बाउंड्रीवाल का तकनीकी निरीक्षण कराया जाए। निरीक्षण के बाद यदि भवन और बाउंड्रीवाल को असुरक्षित पाया जाता है तो नियमानुसार उनका ध्वस्तीकरण कराकर स्थान पर नवीन एवं सुरक्षित विद्यालय भवन और बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जाए।

पुलिस भर्ती दौड़ और एसएससी सीजीएल की तिथियां टकराईं

एक अभ्यर्थी के सामने दो परीक्षाओं में से एक छोड़ने का संकट, युवाओं ने तिथियों में समन्वय की मांग की

मथुरा (वेलकम इंडिया)। यूपी पुलिस भर्ती की दौड़ परीक्षा और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल (सीजीएल) परीक्षा की तिथियों में टकराव से दोनों परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों की चिंता बढ़ गई है। एसएससी सीजीएल परीक्षा 30 सितंबर से 30 अक्टूबर तक प्रस्तावित है, जबकि यूपी पुलिस भर्ती की दौड़ प्रक्रिया 28 सितंबर से चार अक्टूबर तक निर्धारित है। दोनों भर्तियों के लिए आवेदन करने वाले कई अभ्यर्थियों के सामने अब एक परीक्षा से वंचित होने की स्थिति बन रही है। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने दोनों परीक्षाओं की तैयारी के लिए महीनों मेहनत की है और आवेदन शुल्क भी जमा किया है। ऐसे में तिथियों के टकराव से उनकी मेहनत और परीक्षा का अवसर प्रभावित हो सकता है। अभ्यर्थियों के अनुसार, कुछ अभ्यर्थियों को 30 सितंबर की सीजीएल परीक्षा तिथि मिली है। इसी अवधि में यूपी पुलिस भर्ती की दौड़ प्रक्रिया भी जारी रहेगी। यदि किसी अभ्यर्थी की दौड़ और सीजीएल परीक्षा एक ही दिन पड़ती है तो उसके सामने किसी एक परीक्षा को छोड़ने के अलावा विकल्प नहीं रहेगा। परीक्षार्थियों ने शासन और प्रशासन से दोनों परीक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय कर तिथियों के टकराव की समस्या दूर करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि संभव हो तो पुलिस भर्ती की दौड़ प्रक्रिया की तिथि में बदलाव अथवा सीजीएल परीक्षा की तिथियों में आवश्यक समायोजन किया जाए, ताकि दोनों परीक्षाओं के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी किसी एक अवसर से वंचित न हों। अभ्यर्थियों ने प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री से भी मामले में हस्तक्षेप कर परीक्षा तिथियों के टकराव का समाधान कराने की मांग की है। उनका कहना है कि परीक्षा एजेंसियों के स्तर पर समन्वय से प्रभावित अभ्यर्थियों को राहत मिल सकती है।

सभासदों के द्वारा विभिन्न समस्याओं को लेकर दिया गया धरना

अधिशाषी अधिकारी के आश्वासन पर धरना हुआ समाप्त

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। नगर पंचायत कार्यालय पर बुधवार को सभासद अमीर कादरी व मनोनीत सभासद के द्वारा अपने समर्थकों के साथ नगर की विभिन्न समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन किया। तहसीलदार के पहुंचने पहुंचने से पहले ही धरना में बैठे दोनों सभासदों से प्रभारी ईओ सीमा राय मिली।सभासदों ने उन्हें डीएम को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा।ईओ के द्वारा समस्या के निराकरण का आश्वासन देने पर धरना समाप्त किया गया।

नगर पंचायत मगहर के मनोनीत सभासद गौरव निषाद ने बताया कि नगर पंचायत में सफाई कर्मी रम्मपाती देवी व मो जईम को न्यायालय के आदेश के बाद भी अब तक नियुक्ति में क्या कार्रवाई हुई।नगर में विभिन्न स्थानोंपर लगे बंद पड़े सीसी कैमरों को ठीक कराया जाए। मृतक आश्रित को पात्रता के अनुसार नियुक्ति दी जाए। प्रत्येक वार्डों में सिटीजन चार्ट लगा कर उस पर विकास कार्यों की योजना का समय और आवंटित धनराशि अंकित किया जाए। उन्होंने आगे बताया कि नगर पंचायत कार्यालय में विकास कार्यों के अभिलेखों के निरीक्षण करने की अनुमति दी जाए। नगर की खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को ठीक कराया जाए।कार्यरत कर्मचारियों को सुरक्षा किट देने के साथ ही दो लाख रूपए का बीमा किया जाए। शमशान घाट पर शिव मूर्ति और अंडरग्राउंड वायरिंग में खर्च धन की प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराया जाए।नगर पंचायत मगहर में एक साल से कार्यरत कर्मचारियों के नाम पता पद के मास्टररोल की प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराया जाए। निर्वाचित सभासद अमीरुद्दीन कादरी ने बताया कि नगर पंचायत कार्यालय द्वारा विभिन्न विकास कार्यों में बरती गई अनियमितता की निष्पक्ष जांच की जाए।इन्हीं समस्याओं के निस्तारण कराने के धरना दिया गया है। इस दौरान सामीजीक कार्यकर्ता फखरे आलम सनी ने धरना पर बैठे लोगों को जलपान के साथ ही फल भी खिलाया। धरने में गौरव निषाद, अमीरुद्दीन कादरी, सबरे आलम, रवि निषाद, मनीष कन्नौजिया, अमन कन्नौजिया, रहमत अली वालीवाल प्लेयर, जमील अहमद, अकरम अंसारी, शैफ खान, गोलू कन्नौजिया, रिंकु इजहार अंसारी आदि लोग मौजूद रहे।

धरना प्रदर्शन पर भासद दो धड़ो में बंटे नजर आए

नगरपंचायत कार्यालय पर जहां दो सभासद नगर की विभिन्न समस्याओं के निराकरण को लेकर परिसर में दरी बिछाकर धरना प्रदर्शन कररहे थे। वहीं चेयरमैन के समर्थन में सभासद अवधेश सिंह, अब्दुल कलाम, रईस आलम, अतुल श्रीवास्तव, कृष्ण चंद सैनी आदि लोग इस धरने के विरोध में कुर्सियों पर बैठे नजर आए। सभासद अवधेश सिंह ने कहा कि नगर में विकास कार्य होरहा है। कुछ सभासद विकास कार्यो से खिन्न होकर लोगों को बरगलाने का कार्य कर रहे हैं।

साइबर क्राइम ब्रांच के लोगों ने सुरक्षा सम्बन्धी बच्चों को दी गई जानकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकासखंड खलीलाबाद क्षेत्र के ग्राम गिरधरपुर में स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को प्रधानाध्यापिका नीलम राय की अध्यक्षता में सामुदायिक सहभागिता, किशोरी वय गोष्ठी के अंतर्गत सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि कैरियर काउंसलर डाक्टर नीतू यादव तथा विशिष्ठ अतिथि मेंटल हेल्थ डाक्टर रचना रहीं।

इस दौरान विद्यालय के बच्चों के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा करतब भी दिखाए गए। साथ ही साइबर क्राइम ब्रांच के लोगों के द्वारा सुरक्षा के उपाय बताए गये। कैरियर काउंसलर डाक्टर नीतू सिंह ने कहा कि बच्चों को बारीकी से वाच कर उनके अंदर छुपी प्रतिभा को पहचानना होगा। उसके बाद बच्चों की रुचि के अनुसार उसे उस क्षेत्र में कैरियर बनाने की सलाह देनी चाहिये। मेंटल हेल्थ डाक्टर रचना ने मानसिक तनाव से बचने व इसके कारण होने वाले नुकसान के बारे में लोगों को जागरूक किया। जिससे लोगों को मानसिक तनाव से बचने के साथ ही उनके निदान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। आगे कहा कि आज मानसिक तनाव लोगों की बड़ी समस्या बन गई है। इसके कारण लोग विभिन्न बीमारियों की चपेट में आ जारहे हैं। जिसे दवा व काउंसलिंग के जरिये ठीक किया जा सकता है।आगे कहा कि ज्यादातर देखा गया है कि थोड़ा सा मानसिक तनाव होने पर लोग इलाज के बजाय झाड़ फूक के चक्कर में पड़ जाते है। इससे इलाज तो नही होता लेकिन मन को संतुष्टि जरूर मिल जाती है और जानकारी के अभाव में मर्ज को बढ़ा लेते हैं। इससे सर्तक रहे और अपना ठीक से इलाज कराये। साइबर क्राइम ब्रांच टीम के अमृता, रमेश यादव ने बताया कि कोई भी व्यक्ति साइबर क्राइम से तभी बच सकता है जब वह सावधानी और सतर्कता बरतेगा।

ड्यूटी से घर लौट रहे युवक पर जानलेवा हमला, हालत गंभीर

नंदगांव-गिड़ोह मार्ग पर कार रोककर मारपीट, तीन दिन पहले घर पर हमला करने की भी कही बात

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/कोसीकलां। दिल्ली से ड्यूटी कर कार से घर लौट रहे गिड़ोह निवासी युवक पर नंदगांव मार्ग पर कुछ नामजद लोगों ने कथित रूप से जानलेवा हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने युवक की कार के सामने अपना वाहन लगाकर उसे रोक लिया और लाठी-डंडों व अन्य हथियारों से मारपीट की। हमले में रामकृष्ण गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

परिजनों के अनुसार, मंगलवार देर शाम रामकृष्ण दिल्ली से ड्यूटी कर अपने घर लौट रहे थे। नंदगांव रोड पर कुछ लोगों ने उनकी कार को घेर लिया। इसके बाद आरोपितों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावर रामकृष्ण को मरा समझकर मौके पर छोड़कर फरार हो गए। सड़क से गुजर रहे राहगीरों ने घटना की जानकारी उनके परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को अस्पताल ले गए। परिजनों का आरोप है कि घटना से करीब तीन दिन पहले भी नामजद लोगों ने उनके घर पहुंचकर हमला किया था। इस दौरान हथियारों का प्रयोग किए जाने की बात कही गई है। परिजनों के मुताबिक, उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को देते हुए तहरीर भी दी थी, लेकिन आरोप है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई। मंगलवार की घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने पहुंचे और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटा रही है।

खुले में शौच का विरोध करने पर गेस्ट हाउस संचालक पर हमला

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। स्वामी घाट पर खुले में शौच का विरोध करने पर गेस्ट हाउस संचालक और उनके परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के सौरभ पैलेस गेस्ट हाउस के बाहर हुई घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गेस्ट हाउस के बाहर कुछ श्रद्धालु महिलाएं बैठी थीं। इसी दौरान कुछ लोग खुले में शौच करने लगे। गेस्ट हाउस के कर्मचारी जगदीश और उनकी पत्नी रज्जो ने इसका विरोध किया। इस पर आरोपियों ने गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। कर्मचारी को पिटता देख गेस्ट हाउस संचालक योगेश चतुर्वेदी बीच-बचाव करने पहुंचे। आरोपियों ने योगेश चतुर्वेदी पर भी हमला कर दिया। हमलावरों से बचकर वह किसी तरह गेस्ट हाउस के अंदर पहुंच गए। आरोप है कि गेस्ट हाउस के पड़ोस में रहने वाले राधे बाबा, उसके बेटे अर्पित और अंकित उर्फ तुषार सहित 10 से 15 लोग गेस्ट हाउस में घुस गए। उन्होंने योगेश चतुर्वेदी के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर लहूलुहान कर दिया। पिता पर हमला होता देख बचाने पहुंचे उनके बेटे बेटे गौरव, कान्हा और पत्नी अंजना चतुर्वेदी पर हमला कर लहूलुहान कर दिया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया। सीओ सिटी आशना चौधरी ने बताया कि तहरीर के आधार पर नामजद राधे बाबा, उसके बेटे अर्पित और अंकित उर्फ तुषार सहित 10 से 15 लोगों लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

चीनी मिल चालू कराने को किसानों ने खोला मोर्चा, बोले- मांग पूरी होने तक नहीं हटेंगे

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। छाता क्षेत्र में करीब 17 वर्षों से बंद पड़ी सहकारी चीनी मिल को दोबारा चालू कराने की मांग को लेकर किसानों का आंदोलन तेज हो गया है। भूतपूर्व सैनिक परिषद के बैनर तले किसान और महिलाएं चीनी मिल परिसर में धरने पर बैठे हैं। बुधवार को पूर्व सूबेदार ललित कर्मयोगी ने किसानों और महिलाओं के हाथ आगे बढ़वाकर शपथ दिलाई कि जब तक चीनी मिल चालू नहीं होगी, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा।

धरने को संबोधित करते हुए ललित कर्मयोगी ने कहा कि किसान अब अपनी मांग को लेकर आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार चाहे मुकदमे दर्ज करे या कोई अन्य कार्रवाई करे, किसान पीछे हटने वाले नहीं हैं। किसानों की मांग है कि क्षेत्र में प्रस्तावित एथेनॉल प्लांट के बजाय वर्षों से बंद पड़ी मूल चीनी मिल को दोबारा संचालित किया जाए, जिससे गन्ना किसानों को सीधा लाभ मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ सकें। आंदोलनकारियों ने कहा कि चीनी मिल के 17 वर्षों से बंद रहने का भी हिसाब लिया जाएगा। किसानों ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों को भी संदेश दिया कि जब तक मिल को चालू कराने की दिशा में ठोस निर्णय नहीं होता और वर्षों से चली आ रही समस्या का समाधान नहीं किया जाता, तब तक उनसे समर्थन की उम्मीद नहीं की जाए। प्रशासन की ओर से हाल में धरनास्थल खाली कराने के प्रयास के बाद आसपास के दर्जनों गांवों से किसान और महिलाएं दोबारा बड़ी संख्या में चीनी मिल परिसर में पहुंचने लगे हैं। किसानों की बढ़ती संख्या से आंदोलन ने जोर पकड़ लिया है। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि चीनी मिल चालू कराने की मांग पूरी होने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा : मुख्यमंत्री

गुरुकुल शिक्षा में आधुनिक विज्ञान के साथ योग, आयुर्वेद, संस्कृति और जीवन मूल्यों के समन्वय पर दिया जोर

वेलकम इंडिया/ओपी उनियाल

देहरादून। हरिद्वार स्थित पतंजलि वेलनेस योगग्राम, ग्राम औरंगाबाद में प्रथम पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हरिद्वार आस्था, संस्कृति और सनातन परंपरा का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में देवभूमि में पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम की शुरूआत भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक युग से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की गुरुकुल परंपरा हजारों वर्षों से ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण का आधार रही है। गुरुकुलों में विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं दिया जाता, बल्कि उन्हें जीवन जीने की कला, अनुशासन और समाज के प्रति अपने दायित्व का भी बोध कराया जाता है। उन्होंने कहा कि 'सा विद्या या विमुक्तये' का भाव भारतीय प्राचीन शिक्षा परंपरा की मूल भावना रहा है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि गुरुकुल में आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ योग, आयुर्वेद, भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों का समन्वय विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ ही भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में गुरुकुल शिक्षा की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। आधुनिक ज्ञान के साथ संस्कार, अनुशासन और संतुलित जीवनशैली की शिक्षा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में जिम्मेदारी, चरित्र और समाज के प्रति संवेदनशीलता का विकास करना भी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा, दर्शन और संस्कृति के अध्ययन एवं शोध को बढ़ावा देने के लिए दून विश्वविद्यालय में हिंदू अध्ययन केंद्र स्थापित किया गया है। राज्य सरकार का प्रयास है कि युवा पीढ़ी अपनी समृद्ध विरासत को जाने, उसे समझे और विश्व के सामने आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में विज्ञान, शोध और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। देहरादून में देश की पांचवीं साइंस सिटी विकसित की जा रही है। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में विज्ञान एवं नवाचार केंद्रों सहित वैज्ञानिक गतिविधियों के लिए आवश्यक संसाधन विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को पर्यटन के साथ-साथ ज्ञान, योग, आयुर्वेद और अध्यात्म के प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को आधुनिक शिक्षा एवं शोध से जोड़कर नई पीढ़ी के लिए बेहतर अवसर तैयार किए जा सकते हैं। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, रानीपुर विधायक आदेश चौहान, ज्वालापुर विधायक रवि बहादुर, रुड़की नगर निगम की मेयर अनीता अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, दायित्वधारी और अधिकारी मौजूद रहे।

मिशन 2027 पर सीएम योगी का फोकस, पीलीभीत भाजपा नेताओं को एकजुट होकर मैदान में उतरने की दी नसीहत

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में मंगलवार रात लखनऊ में पीलीभीत भाजपा के प्रमुख नेताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर जिले के राजनीतिक और संगठनात्मक हालात पर चर्चा की बात कही जा रही है। बैठक में आगामी चुनाव की तैयारियों के साथ संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर भी बातचीत हुई।भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में हुई इस मुलाकात में राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा और पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान शामिल रहे। बैठक में जिले में पार्टी की गतिविधियों, जनता से जुड़ाव और आगामी चुनाव के लिए संगठन की तैयारियों से संबंधित विषयों पर चर्चा हुई। बताया गया कि मुख्यमंत्री ने पार्टी नेताओं से संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सक्रिय बनाने पर जोर दिया। उन्होंने पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से आपसी तालमेल के साथ काम करने तथा सरकार की योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने चुनावी तैयारियों को लेकर सभी नेताओं को एकजुट होकर जिम्मेदारियां निभाने की बात कही।बैठक में संगठन के भीतर आपसी मतभेद और गुटबाजी से बचने का संदेश भी दिया गया। मुख्यमंत्री ने नेताओं से कहा कि पार्टी की गतिविधियों में सामूहिक प्रयास को प्राथमिकता दी जाए और कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय कायम रखा जाए। बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने तथा आम लोगों से लगातार संपर्क बनाए रखने पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने जिले की प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर भी जनप्रतिनिधियों से फीडबैक लिया। अधिकारियों की कार्यशैली और जनता से जुड़े मामलों के निस्तारण के संबंध में जानकारी ली गई। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से कहा कि यदि किसी अधिकारी की कार्यप्रणाली सरकार की प्राथमिकताओं या जनहित के अनुरूप नहीं है तो इसकी जानकारी शासन स्तर तक पहुंचाई जाए।

जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य से संगठन की मौजूदा गतिविधियों और जिले में चल रहे कार्यक्रमों की जानकारी ली गई। मुख्यमंत्री ने केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने तथा उनके बारे में जनता को जानकारी देने पर भी जोर दिया। बैठक के बाद जिले के भाजपा नेताओं के बीच संगठनात्मक गतिविधियों को और गति देने की चर्चा तेज हो गई है। पार्टी स्तर पर बूथ से लेकर जिला संगठन तक कार्यकताओं की सक्रियता बढ़ाने और आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए तैयारियों को व्यवस्थित करने पर जोर दिया जा रहा है।

शेरपुर कला में प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का जोरदार स्वागत

वरिष्ठ नेताओं और संभावित प्रत्याशियों की मौजूदगी में जुटी भीड़

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल बुधवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के साथ शेरपुर कला स्थित सईद कोठी पहुंचे। यहां सपा के वरिष्ठ नेता मोहम्मद जैगम रजा खां और सिकंदर रजा खां के आवास पर पार्टी कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने प्रदेश अध्यक्ष समेत अन्य नेताओं का स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।कार्यक्रम में सपा के प्रदेश महासचिव एवं विधायक अताउर रहमान, पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा, पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां, सपा जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार समेत पार्टी के कई नेता शामिल रहे।इसके अलावा पार्टी से जुड़े आरती महेंद्र, राजकुमार राजू, अशोक राजा और रामकुमार सहित अन्य नेताओं की भी मौजूदगी रही। प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल और प्रदेश महासचिव अताउर रहमान के पहुंचते ही कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया।

इस दौरान समर्थकों ने पार्टी के समर्थन में नारे लगाए। स्थानीय लोगों और कार्यकताओं ने नेताओं के साथ मुलाकात कर क्षेत्र की राजनीतिक गतिविधियों और संगठन से जुड़े विषयों पर चर्चा की।सपा नेताओं ने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और गांव-गांव लोगों के बीच पहुंचकर पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों की जानकारी देने का आह्वान किया। नेताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कार्यकताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और आपसी समन्वय के साथ संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान शेरपुर कला और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने प्रदेश अध्यक्ष समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का स्वागत किया। काफी देर तक कार्यकताओं और नेताओं के बीच मुलाकात का सिलसिला चलता रहा। इस मौके पर सपा के वरिष्ठ नेता मोहम्मद जैगम रजा खां, सिकंदर रजा खां सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय सपा कार्यकताओं में उत्साह देखने को मिला।

अपहरण में 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। थाना शोहरतगढ़ पुलिस और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने अपहरण के मामले में वर्ष 2018 से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर बुधवार को न्यायालय भेजा गया। प्रभारी निरीक्षक शेषमणि पांडेय के नेतृत्व में उपनिरीक्षक संतोष कुमार यादव मय टीम ने कार्रवाई करते हुए मु.अ.सं. 224/2018, धारा 366 भादवि से संबंधित वांछित आरोपी गोबिंद मिश्रा पुत्र धर्मदेव मिश्रा निवासी जोबकुंडा, थाना शोहरतगढ़ को कस्बा शोहरतगढ़ से गिरफ्तार किया। अपर पुलिस अधीक्षक ने प्रेसवार्ता कर बताया की आरोपी वर्ष 2018 से लगातार फरार चल रहा था। गिरफ्तारी नहीं होने पर न्यायालय के आदेश के क्रम में 28 जुलाई 2020 को एनबीडब्ल्यू, 21 अक्तूबर 2020 को धारा 82 सीआरपीसी तथा छह मार्च 2021 को धारा 83 सीआरपीसी के तहत कार्रवाई की जा चुकी थी। इसके बाद आरोपी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तार आरोपी की उम्र करीब 27 वर्ष बताई गई है। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक ओम प्रकाश मिश्रा प्रभारी एंटीथेफ्ट टीम, हेड कांस्टेबल जनार्दन यादव सर्विलांस सेल, कांस्टेबल रामकरन निषाद और महिला आरक्षी जूही सिंह शामिल रहे।

योग-ध्यान के साथ आयुर्वेद और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। सेवा संकल्प अभियान और आयुर्वेद दिवस के तहत बुधवार को नगर पालिका परिषद स्थित महंत अवैद्यनाथ बहुउद्देशीय हाल में ध्यान और योग सत्र हुआ। विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव और सीडीओ बलराम सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके बाद मौजूद लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक सेवा संकल्प अभियान चल रहा है। इसी के तहत आयुर्वेद दिवस पर योग और ध्यान का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि योग लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने कहा कि अभियान के तहत जिले में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विद्यालयों में रंगोली और जागरूकता कार्यक्रमों के साथ स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियां भी हो रही हैं। सांसद डुमरियागंज के प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल ने भी अभियान के तहत किए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम के बाद जनप्रतिनिधियों ने तहसील नौगढ़ परिसर में पौधरोपण किया। वहीं जिले के सभी तहसीलों और विकासखंडों में कार्यशालाओं और निशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क दवाएं बांटी गईं। लोगों को आयुर्वेद, दिनचर्या, ऋतुचर्या, योग और प्राकृतिक जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। नौगढ़ ब्लॉक स्थित श्री माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में डॉ. लक्ष्मण प्रसाद और डॉ. राजेश अग्रहरि के नेतृत्व में विशेष चिकित्सा शिविर लगा। इसके अलावा उस्का, लोटन, बर्डपुर, जोगिया, शोहरतगढ़, बढ़नी, इटवा, खुनियांव, भनवापुर, डुमरियागंज, बांसी, मिठवल और खेसरहा में भी चिकित्सकों की देखरेख में शिविर आयोजित किए गए। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. मीनू सोनी को कार्यक्रम का नोडल अधिकारी बनाया गया था। शिविरों में आयुष विभाग के चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ और कर्मचारी मौजूद रहे।

दिव्यांग बच्चों को नियमित स्कूल भेजें, अभिभावक रहें जागरूक

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर (वेलकम इडिया)। बुधवार को बीआरसी उसका बाजार में दिव्यांग छात्रों के अभिभावकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी धर्मेंद्र पाल और समेकित शिक्षा समन्वयक करुणापति त्रिपाठी ने की। समेकित शिक्षा समन्वयक करुणापति त्रिपाठी ने अभिभावकों को अपने बच्चों के प्रति जागरूक रहने और उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने दिव्यांग बच्चों के लिए सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी भी दी। खंड शिक्षा अधिकारी धर्मेंद्र पाल ने कहा कि आज दिव्यांग बच्चे शिक्षा, खेल समेत हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। वे सामान्य बच्चों से किसी भी मायने में कम नहीं हैं। जरूरत सिर्फ उन्हें उचित सहयोग, प्रोत्साहन और अतिरिक्त ध्यान देने की है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजने, समय-समय पर शिक्षकों से संपर्क करने और विद्यालय की बैठकों में सहभागिता करने की अपील की। इस अवसर पर विशेष शिक्षक प्रदुमन सिंह, सुनील यादव, अरुण, अजय भारती तथा बीआरसी स्टाफ के अरविंद श्रीवास्तव, आकाश यादव, रामस्वरूप और उपेंद्र पाठक मौजूद रहे।

लघु व सीमांत किसानों के लिए योजनाओं का हुआ शुभारंभ

सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड की ओर से लघु एवं सीमांत किसानों के लिए संचालित भारत टैक्सी एवं मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारंभ बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ से किया। इसका लाइव प्रसारण अम्बेडकर सभागार में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने देखा। कार्यक्रम में विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष कुंवर विक्रम सिंह और मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह मौजूद रहे। सीडीओ ने जनप्रतिनिधियों का बुके देकर स्वागत किया। विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। लघु एवं सीमांत किसानों को केंद्र में रखकर शुरू की गई योजनाओं से उन्हें स्वरोजगार और आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि पात्र किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। विधायक ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से किसानों को वित्तीय सहायता और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचना चाहिए। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की प्राथमिकता किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव जाकर पात्र किसानों को योजनाओं की जानकारी देने और लाभ दिलाने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष कुंवर विक्रम सिंह ने कहा कि सहकारी संस्थाएं लंबे समय से किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना से लघु एवं सीमांत किसानों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। बैंक स्तर से पात्र किसानों को योजनाओं की जानकारी और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन सहायक विकास अधिकारी सहकारिता अंब्रीश यादव ने किया। इस दौरान सांसद डुमरियागंज के प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, उत्तर प्रदेश उपभोक्ता सहकारी संघ के निदेशक दिलीप चतुर्वेदी, डीसीएफ अध्यक्ष अजय उपाध्याय, एआर सहकारिता प्रकाश बहादुर गौतम, उप निदेशक कृषि राजेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी रवि शंकर पांडेय सहित अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पूरनपुर की जन पंचायत में गूंजे बेरोजगारी-महंगाई के मुद्दे

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से मांगी 2027 के लिए एकजुटता

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। साई श्रद्धा बैंक्विट हॉल में बुधवार दोपहर समाजवादी पार्टी की ओर से पीडीए जन पंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जन पंचायत में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा व्यवस्था समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। श्यामलाल पाल ने कहा कि सरकार ने युवाओं को रोजगार देने के बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन युवाओं के सामने रोजगार का संकट बना हुआ है। उन्होंने कहा कि महंगाई का असर आम परिवारों के घरेलू बजट पर पड़ रहा है। जनता को किए गए वादों का हिसाब सरकार से मांगना चाहिए। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए विद्यालयों को बंद किए जाने की बात कही। उनका कहना था कि गांवों में विद्यालय बंद होने से गरीब और कमजोर वर्ग के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। उन्होंने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की जरूरत बताई।जन पंचायत में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त किए जाने का आरोप भी लगाया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। श्यामलाल पाल ने पार्टी कार्यकताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कार्यकताओं से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए पार्टी के पक्ष में मतदान की अपील की। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि चुनाव में मतदान से पहले अपने बच्चों के भविष्य, रोजगार और शिक्षा जैसे मुद्दों पर विचार करें। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या वर्तमान सरकार में सामान्य परिवारों के बच्चे डीएम, एसपी और कलेक्टर जैसे पदों तक पहुंचे हैं, इस पर जनता को स्वयं विचार करना चाहिए।कार्यक्रम में सपा जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार, दीप्ति गंगवार, पूर्व मंत्री अनीस अहमद उर्फ फूल बाबू, पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा, पूर्व विधायक किशनलाल, पूर्व विधायक अरशद खान, राजकुमार राजू, अशोक राजा, आरती, महेंद्र, प्रदीप सोनकर समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

घर के अंदर तक पहुंच गया तेंदुआ, बकरी को बनाया शिकार, दहशत में ग्रामीण, वन विभाग से पिंजरा लगाने की मांग

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र के ग्राम कजरी निरंजनपुर में तेंदुए की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत बढ़ती जा रही है। बीती रात तेंदुआ आबादी के बीच एक ग्रामीण के घर में घुस गया और आंगन में बंधी बकरी को उठाकर गन्ने के खेतों की ओर भाग गया। सुबह घर के बाहर मिले पैरों के निशानों से ग्रामीणों को तेंदुए की मौजूदगी का अंदेशा हुआ। घटना के बाद परिवार के लोग सहमे हुए हैं और गांव में भी भय का माहौल बना हुआ है। कजरी निरंजनपुर निवासी यूनुस शाह के मुताबिक, रात में परिवार के लोग घर के अंदर सो रहे थे। आंगन में बकरी बंधी हुई थी। रात करीब दो से तीन बजे के बीच गन्ने की ओर से आया तेंदुआ दबे पांव घर के परिसर में दाखिल हुआ और बकरी को दबोच लिया। आहट होने पर परिवार के लोगों की नींद खुली, लेकिन तब तक तेंदुआ बकरी को लेकर गन्ने के खेत की ओर निकल चुका था। सुबह बकरी के गायब मिलने पर परिजनों ने आसपास तलाश की। घर के बाहर और खेत के किनारे तेंदुए जैसे वन्यजीव के पगमार्क और बकरी को घसीटे जाने के निशान दिखाई दिए। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। आबादी के बीच तेंदुए के पहुंचने से लोगों में खासी दहशत है।ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले भी गांव में तेंदुए की गतिविधियां सामने आ चुकी हैं। एक गौशाला में बछड़े पर हमला किए जाने के बाद वन विभाग ने पिंजरा लगाया था, जिसमें एक तेंदुआ पकड़ा गया था। अब दोबारा आबादी के नजदीक वन्यजीव की दस्तक से ग्रामीण दूसरे तेंदुए की आशंका जता रहे हैं।यूनुस शाह के परिवार का कहना है कि घर में छोटे बच्चे हैं और घटना के बाद से सभी लोग डरे हुए हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव में तत्काल पिंजरा लगाने, वन कर्मियों की टीम तैनात करने और गन्ने के खेतों के आसपास गश्त बढ़ाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो किसी बड़ी घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

वृद्धावस्था पेंशन की पहली किस्त खातों में पहुंची, अक्टूबर में दूसरी

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के लाभार्थी बुजुर्गों के लिए राहत की खबर है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम त्रैमासिक किस्त 23 सितंबर को पात्र लाभार्थियों के आधार लिंक्ड बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेज दी गई। जिला समाज कल्याण अधिकारी एमपी सिंह ने इसकी जानकारी दी।विभाग के अनुसार 60 से 80 वर्ष आयु वर्ग के लाभार्थियों के खातों में 2400 और 600 रुपये की धनराशि भेजी गई है। वहीं 80 वर्ष से अधिक आयु के लाभार्थियों के खातों में 1500-1500 रुपये की दो किस्तें अंतरित की गई हैं। विभाग ने बताया कि वित्तीय वर्ष की दूसरी त्रैमासिक किस्त भी आगामी अक्टूबर में दो भागों में पात्र लाभार्थियों के खातों में भेजी जाएगी। इससे बुजुर्गों को अगली किस्त के लिए अधिक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजकर किस्तों के भुगतान की जानकारी दी है। विभाग ने लाभार्थियों से बैंक खाते को आधार से लिंक रखने की अपील की है, ताकि डीबीटी के माध्यम से पेंशन की राशि पहुंचने में किसी तरह की तकनीकी दिक्कत न हो। साथ ही पात्र लाभार्थियों से बैंक खाते की स्थिति और आधार सीडिंग की जांच कर लेने को कहा गया है।

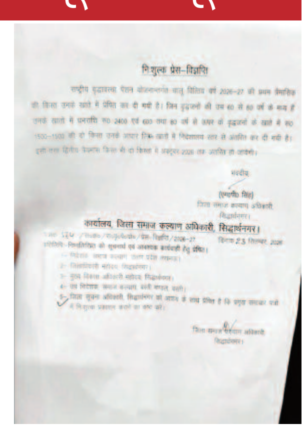

स्वामी एजुकेशनल कॉम्प्लेक्स में प्रतिभा का दिखा रंगीन अंदाज

जनकल्याणकारी योजनाओं पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। स्वामी एजुकेशनल कॉम्प्लेक्स परास्नातक महाविद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं' रखा गया। इसमें विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता और कलात्मक प्रतिभा के माध्यम से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा उनके सामाजिक सरोकारों को चित्रों के जरिए प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। किसी ने शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं को चित्रों में स्थान दिया तो किसी ने गरीबों, किसानों और जरूरतमंद वर्गों के लिए संचालित योजनाओं को अपनी कला के माध्यम से प्रदर्शित किया। विद्यार्थियों की रचनात्मकता और विषय को चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त करने की क्षमता ने प्रतियोगिता को खास बना दिया। प्रतियोगिता के उपरांत स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इफरा खान, पुत्री फारुख खान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ज्योति साना, पुत्री जगदीश साना द्वितीय स्थान पर रहीं, जबकि यशपाल, पुत्र मदन लाल ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उनकी मेहनत और प्रतिभा की सराहना की गई।इस अवसर पर कहा गया कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच विकसित करने के साथ ही उन्हें सामाजिक विषयों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। चित्रकला के माध्यम से विद्यार्थी किसी विषय को केवल शब्दों में नहीं, बल्कि भावनाओं और कल्पनाशीलता के साथ समाज के सामने रखने का प्रयास करते हैं। विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। साथ ही प्रतियोगिता में शामिल सभी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा गया कि प्रत्येक प्रतिभागी ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से प्रतियोगिता को सफल बनाने में योगदान दिया। विद्यार्थियों में पुरस्कार मिलने से उत्साह देखने को मिला।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह: 215 जोड़ों ने थामा एक-दूसरे का हाथ, विधायक ने दिया सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद

वैदिक रीति-रिवाजों से विवाह बंधन में बंधे नवदंपति; समारोह में दिखा उत्साह

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। नुमाइश ग्राउंड में बुधवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। समारोह में 215 जोड़ों ने एक-दूसरे का हाथ थामकर नए जीवन की शुरूआत की। वैदिक रीति-रिवाजों और मंत्रोच्चार के बीच विवाह की रस्में पूरी कराई गईं। इस दौरान नवदंपतियों के चेहरे पर खुशी और परिजनों में उत्साह नजर आया। समारोह में पहुंचे सिकंदराबाद विधायक ठाकुर लक्ष्मीराज सिंह ने सभी नवविवाहित

जोड़ों को सुखी, समृद्ध और मंगलमय वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन रही है। योजना के माध्यम से गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग मिलने के साथ ही उन्हें सम्मानपूर्वक विवाह का अवसर भी प्राप्त हो रहा है। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य को लेकर लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने नवदंपतियों को नए जीवन की शुरूआत के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों के बीच नए संबंधों की शुरूआत भी है। सभी नवदंपति आपसी प्रेम, विश्वास और सहयोग के साथ अपने वैवाहिक जीवन को आगे बढ़ाएं। योजना के तहत प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को 15 हजार रुपये मूल्य की विवाह सामग्री, 21 हजार रुपये की अन्य सामग्री तथा 64 हजार रुपये की धनराशि प्रदान की गई। समारोह के दौरान संबंधित लाभार्थियों को योजना का लाभ उपलब्ध कराया गया। विवाह समारोह में बड़ी संख्या में नवदंपतियों के परिजन भी शामिल हुए। विवाह की रस्में पूरी होने के बाद परिजनों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। पूरे समारोह के दौरान नुमाइश ग्राउंड में उत्सव जैसा माहौल रहा। कार्यक्रम में विधायक देवेंद्र सिंह लोधी, नगर पालिका बुलंदशहर की चेयरमैन दीप्ति मित्तल, मुख्य विकास अधिकारी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

वाल्मीकि समाज के उत्पीड़न पर गरजी भारतीय वाल्मीकि धर्म सभा, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। भारतीय वाल्मीकि धर्म सभा के पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एफ सी नागवंशी व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय चंदेल के नेतृत्व में वाल्मीकि समाज के उत्पीड़न को रोकने और विभिन्न मामलों में कार्रवाई की मांग को लेकर राज्यपाल के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में समाज से जुड़े मामलों में निष्पक्ष कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की गई। ज्ञापन में अलीगढ़ से जुड़े एक मामले का उल्लेख करते हुए संगठन ने आरोप लगाया कि वाल्मीकि समाज के प्रति आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। संगठन ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने, वाल्मीकि समाज के लोगों पर दर्ज मुकदमे को समाप्त करने तथा अंकुश की रिहाई की मांग की। इसके अलावा हाथरस की मनीषा वाल्मीकि हत्याकांड का उल्लेख

करते हुए संगठन ने आरोप लगाया कि मामले में दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। ज्ञापन में मनीषा के परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी मांग की गई। ज्ञापन में मुरादाबाद के कुंदरकी थाना क्षेत्र के ग्राम हरियाणा में 9 सितंबर 2026 को जातिसूचक शब्दों के प्रयोग से अपमानित करने का आरोप लगाया गया। संगठन के अनुसार इस मामले में 10 सितंबर को मुकदमा दर्ज किया गया था। ज्ञापन में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा गया कि पीड़ित परिवार को धमकियां मिलने के कारण उनके जान-माल का खतरा बना हुआ है। भारतीय वाल्मीकि धर्म सभा ने राज्यपाल से सभी मामलों में उचित एवं निष्पक्ष कार्रवाई कर वाल्मीकि समाज को न्याय दिलाने की मांग की। साथ ही संगठन को कार्रवाई से अवगत कराने का अनुरोध किया गया। ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय चन्देल, राष्ट्रीय अध्यक्ष एफसी नागवंशी, चिन्नू, राजीव कुमार, सुमित, आकाश, समेत संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।

सड़क पर जल भराव, अनदेखी का आरोप, वीडियो किया वायरल

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। नगर के मोहल्ला मोलानान स्थित वार्ड नंबर 17 में जलभराव की समस्या से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर पानी जमा होने से नाराज मोहल्लेवासियों ने विरोध जताते हुए अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर पालिका प्रशासन पर समस्या की अनदेखी करने का आरोप लगाया। लोगों ने जलभराव का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए समस्या के शीघ्र निस्तारण की मांग की है। बुधवार को नगर के मोहल्लामोलानान निवासी सलमान, एहसान, भूरा, आशू सहित अन्य लोगों का कहना है कि सड़क पर काफी समय से जलभराव की स्थिति बनी हुई है। इस संबंध में पालिका अध्यक्ष सहित संबंधित अधिकारियों से कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं कराया गया। जलभराव के कारण राहगीरों और स्थानीय लोगों को आने-जाने में दिक्कत हो रही है। मोहल्लेवासियों के अनुसार, हाल ही में एक शादी समारोह के दौरान बारात भी जलभराव वाली सड़क से होकर गुजरने को मजबूर हुई। लोगों का कहना है कि पानी जमा रहने से सड़क पर गंदगी और फिसलन की समस्या भी बनी रहती है। उन्होंने अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए पालिका प्रशासन से जल्द जल निकासी की व्यवस्था कराकर समस्या का समाधान कराने की मांग की है। नगर पालिका के स्वास्थ्य लिपिक अमरेश कुमार ने बताया कि मौके पर टीम भेजकर जलभराव की समस्या का निस्तारण कराया जाएगा।

जलभराव से त्रस्त ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, डीएम के निर्देश पर नाले की खुदाई शुरू

65-70 मीटर खुदाई के बाद विरोध, आमने-सामने आए दो पक्ष; पुलिस ने संभाला मोर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। तहसील क्षेत्र के गांव शेखपुर में जल निकासी की समस्या को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। लंबे समय से जलभराव से परेशान ग्रामीणों ने मामले की शिकायत जिलाधिकारी से की। डीएम के निर्देश के बाद प्रशासनिक अमला हरकत में आया और जेसीबी से नाले की खुदाई शुरू कराई गई। हालांकि करीब 65-70 मीटर खुदाई के बाद कुछ लोगों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, जिससे मौके पर हंगामे की स्थिति पैदा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया।

ग्रामीणों के अनुसार, घरों से निकलने वाले गंदे पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण पानी सड़क और मकानों के सामने जमा हो रहा है। पहले गांव का पानी सड़क किनारे स्थित तालाब में चला जाता था, लेकिन तालाब के भर जाने से अब पानी की निकासी बाधित हो गई है। ग्रामीणों का दावा है कि समस्या को लेकर एसडीएम, तहसीलदार, स्थानीय विधायक और मुख्यमंत्री पोर्टल आईजीआरएस पर भी शिकायत की गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। इसके बाद ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से शिकायत कर तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि लंबे समय तक गंदा पानी जमा रहने से गांव में संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए डीएम के निर्देश पर अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया और जेसीबी से नाले की खुदाई शुरू कराई। खुदाई के दौरान विरोध होने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला। फिलहाल पुलिस की मौजूदगी में मामले को शांत कराया गया है।

डेंगू की आशंका के बीच 16 वर्षीय किशोर की हुई मौत, परिवार में मचा कोहराम

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे के मोहल्ला रायजादगान में बुखार से पीड़ित 16 वर्षीय किशोर की उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि जांच रिपोर्ट में किशोर के डेंगू से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। किशोर की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। गमगीन माहौल में परिजनों ने शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार ने प्रदेश सरकार से आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग की है। कस्बे के मोहल्ला रायजादगान निवासी अनीश ने बताया कि उसके 16 वर्षीय पुत्र आरिश को करीब पांच दिन से बुखार आ रहा था। हालत बिगड़ने पर उसे कस्बे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर परिजन उसे उपचार के लिए हरियाणा के करनाल लेकर गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, जांच रिपोर्ट में डेंगू बुखार की पुष्टि हुई है। बीड़ी

पिता ने प्रदेश सरकार से आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है। सरकारी अस्पताल के चिकित्सक रामवीर सिंह ने बताया कि उपलब्ध जांच रिपोर्ट देखने के बाद पता चला कि किशोर को कई दिनों से बुखार था। क्षेत्र में वायरल संक्रमण तेजी से फैल रहा है और डेंगू की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि मोहल्ले में स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजकर लोगों जांच कराई जा रही है। साथ ही स्वास्थ्य शिविर लगाकर आवश्यक दवाइयों का वितरण भी कराया गया है।

बुलंदशहर में अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा का दिवस आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस (23 सितंबर) के अवसर पर बुलंदशहर जिले में मूक-बधिर बच्चों और अखिल उत्तर प्रदेश बधिर संस्थान लखनऊ के तत्वाधान में बधिर कल्याण समिति बुलंदशहर, विशेष शिक्षण संस्थाओं के सहयोग से जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में मूकबधिर उपस्थित हुए। रैली बुलंदशहर के काला आम से लेकर जिला दिव्यांग सशक्तिकरण तक शांति मार्च रैली निकाली गई और जिला दिव्यांग से शक्तिकरण में अपना ज्ञापन सौपा गया। बुलंदशहर में काला आम से लेकर विकास भवन तक निकाली गई इस रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में मूक-बधिर व्यक्तियों के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को भारतीय सांकेतिक भाषा के महत्व से परिचित कराना था। जिले की विशेष संस्थाओं के मूक-बधिर बच्चों ने इस

रैली में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर सांकेतिक भाषा को बढ़ावा देने और समाज में समावेशन का संदेश दिया। इस वर्ष यह वैश्विक दिवस बधिर लोगों के मानवाधिकारों की घोषणा थीम के तहत मनाया जा रहा है, जिसके तहत बिना किसी भेदभाव के सभी क्षेत्रों में उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। यह आयोजन 'अंतरराष्ट्रीय बधिर सप्ताह' (21 से 27 सितंबर 2026) के तहत किया गया, जहां देश-विदेश सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बुलंदशहर में काम कर रही सामाजिक संस्थाएं और विशेष विद्यालय इन बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें शिक्षा के मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इस कार्यक्रम को आयोजित करने में अध्यक्ष विकास शर्मा, उपाध्यक्ष दीपक कुमार शर्मा, महासचिव सावन गुप्ता, कोषाध्यक्ष मोहम्मद उस्मान, महिला सचिव मानसी शर्मा, सलाहकार चिंटू वर्मा, और अनुवादक अंजू के द्वारा यह कार्यक्रम संपन्न कराया गया है।

सरदार पतविंदर सिंह को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे की प्रदेश कमान मिलने पर क्या हो सकता है राजनीतिक संदेश?

प्रयागराज के जमीनी कार्यकर्ता को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की स्थिति में संगठन और अल्पसंख्यक समाज के बीच संवाद को लेकर चर्चा तेज हो सकती है

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रयागराज। सरदार पतविंदर सिंह को यदि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे का प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाता है, तो इसे केवल संगठनात्मक नियुक्ति के तौर पर नहीं देखा जाएगा। हालांकि यह निर्णय अभी प्रस्तावित स्थिति के रूप में है, लेकिन ऐसी नियुक्ति होने पर भाजपा के संगठनात्मक विस्तार, अल्पसंख्यक समाज के साथ संवाद और 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर राजनीतिक चर्चा तेज हो सकती है। वर्तमान में सरदार पतविंदर सिंह नैनी, प्रयागराज के निवासी हैं और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं। पिछले करीब 36 वर्षों से वह मतदाता जागरूकता, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण जैसे अभियानों से जुड़े रहे हैं। उनका सार्वजनिक परिचय मुख्य रूप से इन सामाजिक अभियानों के माध्यम

से बना है। यदि उन्हें प्रदेश स्तर की जिम्मेदारी मिलती है, तो भाजपा की ओर से सिख समाज और व्यापक अल्पसंख्यक समुदाय के साथ संगठनात्मक संवाद को लेकर एक संदेश जाने की संभावना है। उनके समर्थक इसे पार्टी के भीतर जमीनी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दिए जाने के उदाहरण के रूप में भी देख सकते हैं। सरदार पतविंदर सिंह ने उत्तर प्रदेश में आनंद कारज विवाह अधिनियम लागू होने पर प्रदेश सरकार के प्रति आभार भी जताया था। ऐसे मुद्दों पर उनकी सार्वजनिक सक्रियता को सिख समाज से जुड़े विषयों पर संवाद के संदर्भ में देखा जा सकता है। भाजपा और विपक्षी दलों के बीच अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े मुद्दों पर लंबे समय से राजनीतिक मतभेद और अलग-अलग दावे रहे हैं। ऐसे माहौल में किसी सिख नेता को अल्पसंख्यक मोर्चे की प्रदेश कमान दिए जाने पर भाजपा इसे संगठन में अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व और संवाद के उदाहरण के तौर पर प्रस्तुत कर सकती है। वहीं, विपक्षी दल इस कदम को किस रूप में देखते हैं, यह उनकी राजनीतिक प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा।

जमीनी कार्यकर्ता को जिम्मेदारी देने का संदेश

उनकी राजनीतिक पहचान किसी बड़े राजनीतिक परिवार से जुड़े नेता के बजाय लंबे समय से सामाजिक और जनजागरूकता अभियानों में सक्रिय कार्यकर्ता की रही है। मतदाता जागरूकता से लेकर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण तक विभिन्न अभियानों में उनकी भागीदारी रही है। ऐसे कार्यकर्ता को प्रदेश संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिए जाने पर भाजपा के कार्यकताओं के बीच यह संदेश जा सकता है कि लंबे समय तक जमीन पर सक्रिय रहने वाले कार्यकताओं को भी संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका मिल सकती है।

काशी क्षेत्र से प्रदेश स्तर तक विस्तार

सरदार पतविंदर सिंह का संबंध काशी क्षेत्र के संगठन से है। ऐसे में प्रदेश स्तर पर उनकी संभावित नियुक्ति होने पर काशी क्षेत्र के साथ प्रयागराज और पूर्वांचल के अन्य हिस्सों में संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर भी चर्चा हो सकती है। हालांकि किसी नियुक्ति के वास्तविक राजनीतिक प्रभाव का आकलन चुनावी परिणाम आने से पहले निश्चित रूप से नहीं किया जा सकता। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि संगठन उन्हें किस प्रकार की जिम्मेदारी देता है और वे प्रदेश स्तर पर किस तरह की गतिविधियां संचालित करते हैं।

नवागत जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने किया पदभार ग्रहण

शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन एवं आमजन की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता: उमेश प्रताप

वेलकम इंडियन/नितिन शर्मा

बिजनौर। नवागत जिलाधिकारी बिजनौर उमेश प्रताप सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित कोषागार में पहुंचकर विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने से पूर्व पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस एवं कोषागार में नवागत जिलाधिकारी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने जिलाधिकारी को अपना परिचय दिया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में मीडिया से वार्ता करते हुए अपनी प्राथमिकताओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शासन की जो प्राथमिकताएं हैं, वही उनकी भी प्राथमिकताएं होंगी। शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनपद मुख्यालय के साथ-

साथ तहसील, विकासखंड एवं थाना स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग व्यवस्था को और पुख्ता किया जाएगा, ताकि शासन की योजनाओं एवं नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि विभिन्न शासकीय योजनाओं की नियमित समीक्षा की जाएगी तथा निर्माण कार्यों, विकास कार्यों एवं विभिन्न विभागीय कार्यों के निष्पादन में तेजी लाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष निगरानी रखते हुए संबंधित अधिकारियों से नियमित प्रगति की जानकारी ली जाएगी। उन्होंने कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल रहेगी। साथ ही आमजन एवं फरियादियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापरक एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसामान्य की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहते हुए उनकी शिकायतों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, युवाओं से संबंधित योजनाओं, रोजगार एवं स्वरोजगार सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की नियमित समीक्षा की जाएगी। उनका उद्देश्य शासन की योजनाओं को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू कर अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को उनका लाभ दिलाना है। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने सभी विभागीय एवं प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन शासन की मंशा के अनुरूप पूरी जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसामान्य की समस्याओं के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापरक एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्ट्रेट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सभी अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें तथा शासन की मंशा के अनुरूप जनहित में कार्य करें।

बदनौली स्कूल में सुरक्षा ऑडिट, बच्चों को आपदा से बचाव का प्रशिक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। उच्च प्राथमिक विद्यालय बदनौली, ब्लॉक खरखोदा में बुधवार को स्कूल सुरक्षा ऑडिट किया गया। इस दौरान विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्थाओं और आवश्यक सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण कर कमियों की जानकारी ऑनलाइन शासन को भेजी गई। इसके बाद शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को विभिन्न आपदाओं से बचाव का प्रशिक्षण दिया गया। आपदा विषय विशेषज्ञ मुकुंद वल्लभ शर्मा ने आकाशीय बिजली, सर्पदंश, भूकंप, आग, बाढ़, लू, शीतलहर, सड़क व नाव दुर्घटनाओं से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि आकाशीय बिजली के दौरान पेड़, तालाब, बिजली-टेलीफोन के खंभों और तारों से दूर रहना चाहिए। वहीं सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक के चक्कर में समय गंवाने के बजाय पीड़ित को तत्काल अस्पताल पहुंचाना चाहिए। काटे गए स्थान को साबुन और पानी से धोने की सलाह भी दी गई। सुरक्षा ऑडिट के दौरान रसोई, शौचालय, पेयजल, स्वच्छता, दिव्यांग विद्यार्थियों की सुविधाओं, कक्षाओं, स्टाफ रूम, गतिविधि कक्ष, मुख्य गेट, खिड़कियों, टीवी और इमरजेंसी लाइट समेत अन्य व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया गया। फायर विशेषज्ञ विवेक कुमार ने अग्निशमन यंत्रों के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया। ऑडिट टीम में आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ मुकुंद वल्लभ शर्मा, सिविल इंजीनियर अभिषेक त्यागी और फायर विशेषज्ञ विवेक कुमार शामिल रहे। प्रधानाचार्य मुकेश चंद्र त्यागी समेत विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं और कर्मचारी मौजूद रहे। शर्मा ने कहा कि सुरक्षित विद्यालय और बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन के तत्वावधान में 28वाँ रक्तदान शिविर का किया आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मोदीनगर में डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन, मोदीनगर के तत्वावधान में एम.एम.जी. जिला अस्पताल, गाजियाबाद के सहयोग से 28वाँ रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं संस्थान के सदस्यों में रक्तदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. (डॉ.) डी. के. मोदी जी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन के रजिस्ट्रार श्री यू. एन. मिश्रा, डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) पी. एन. हृषिकेशा, डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन के इग्जेक्यटिव डाइरेक्टर प्रो. (डॉ.) दीपांकर शर्मा, डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. (डॉ.) शिशिर रस्तोगी, डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के निदेशक प्रो. विजय शर्मा, सी.एम.डी. के निदेशक प्रो. (डॉ.) रविंद्र आर्या, तथा डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन के जनसंपर्क अधिकारी (पी.आर.ओ.) तरुण कुमार सहित संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

रक्तदान कार्यक्रम में डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 200 से अधिक विद्यार्थियों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा में अपना योगदान दिया। रक्तदाताओं को उनके योगदान के लिए प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए, जिससे विद्यार्थियों का उत्साह और बढ़ा।

रक्तदान प्रक्रिया के दौरान एम.एम.जी. जिला अस्पताल, गाजियाबाद के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की विशेषज्ञ टीम ने डॉ. विनोद के नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रक्तदान की पूरी प्रक्रिया में आवश्यक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मानकों का पालन किया गया तथा प्रत्येक रक्तदाता की आवश्यक जांच के बाद ही सुरक्षित तरीके से रक्तदान कराया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. (डॉ.) शिशिर रस्तोगी ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों, विभागाध्यक्षों, स्टाफ सदस्यों तथा रक्तदान करने वाले विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा स्वेच्छा से किए गए रक्तदान की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानवता की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

मोदी कॉलेज के छात्रों ने चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने लिया हिस्सा

विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और विचारों को अभिव्यक्त करने का मिलता है अवसर-अग्रवाल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मेरे सपनों का भारत विषय पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में 18 ,21 व 23 सितंबर को पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपने विचारों और कल्पनाओं को पेंटिंग व पोस्टर भाषण के माध्यम से प्रस्तुत किया विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि भाषण प्रतियोगिता में विद्यालय की शिक्षक महानंद सिंह के दिशा निर्देशन में कक्षा 9 से 12 तक के कुल 150 छात्रों ने प्रतिभाग किया जिसमें अयान अल्वी कक्षा 12 में प्रथम हर्षित गोयल कक्षा 12 में द्वितीय व अनस कक्षा 10 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की कला की शिक्षिका श्रीमती वर्षा रानी के दिशा निर्देशन में पेंटिंग प्रतियोगिता मे कक्षा 6 से 12 तक कुल 300 छात्रों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता ,राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और भविष्य के भारत को लेकर सकारात्मक सोच विकसित करना है। प्रधानाचार्य ने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर मिलता है। विद्यार्थियों ने स्वच्छता ही सेवा और विकसित भारत का संकल्प विषय पर चित्र बनाकर अपने सपनों के भारत की कल्पना को कागज पर उकेरा। छात्रों ने माननीय प्रधानमंत्री जी के सपनों कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा इस पर अपने पेंटिंग के द्वारा और भाषण के द्वारा अपने विचारों को उपस्थित छात्रों के समक्ष प्रस्तुत किया। छात्रों ने सेवा भावना स्वच्छता और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार रखें प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को पुरस्कार किया गया पेंटिंग प्रतियोगिता में श्रीमती रेखा रानी ,नरेश प्रजापति श्रीमती रानी श्री गौरव त्यागी का सहयोग रहा।

जैन धर्म के दस लक्षण पर्व में उत्तम तप धर्म का विशेष महत्व माना गया है: धरणेन्द्र जैन शास्त्री

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मोदीनगर में पर्युषण महा पर्व पर 10 दिन तक विधान अनुष्ठान चलेगा ' सातवा दिन उत्तम तप धर्म का दिन है ' जैन धर्म के दस लक्षण पर्व में उत्तम तप धर्म का विशेष महत्व माना गया है। तप का अर्थ केवल शरीर को कष्ट देना नहीं, बल्कि आत्मा को विकारों से मुक्त करने के लिए संयम, अनुशासन और साधना का मार्ग अपनाना है। उत्तम तप मनुष्य को अपनी इच्छाओं और इंद्रियों पर नियंत्रण रखने की प्रेरणा देता है। उदयपुर से पधारे विधानाचार्य धरणेन्द्र जैन शास्त्री ने बताया कि जैन दर्शन में तप के बा' और आभ्यंतर, दोनों रूप बताए गए हैं। उपवास, एकासन, रस-परित्याग आदि बा' तप के अंतर्गत आते हैं, जबकि प्रायश्चित्त, विनय, वैयावृत्य, स्वाध्याय, ध्यान और कायोत्सर्ग आभ्यंतर तप के प्रमुख रूप हैं। इनका उद्देश्य आत्मसंयम के साथ कर्मों की निर्जरा करना और आत्मिक शुद्धि की ओर आगे बढ़ना है। उत्तम तप धर्म हमें यह संदेश देता है कि जीवन में सुख-सुविधाओं की अधिकता ही वास्तविक सुख नहीं है। इच्छाओं पर नियंत्रण, आवश्यकता के अनुसार जीवन और मन की शुद्धि ही व्यक्ति को आंतरिक शांति प्रदान करती है। तप के माध्यम से मनुष्य क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे कषायों पर विजय प्राप्त करने का प्रयास करता है। वर्तमान भौतिकतावादी जीवनशैली में उत्तम तप धर्म का संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। यह हमें संयमित जीवन, आत्मनिरीक्षण, त्याग और अनुशासन की प्रेरणा देता है। तप बाहरी प्रदर्शन नहीं, बल्कि भीतर परिवर्तन की साधना है। यही आत्मशुद्धि की दिशा में बढ़ने का सच्चा मार्ग है।

जूनियर प्रीमियर लीग 2026- युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को मिलेगा अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का शानदार मंच

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल में जूनियर प्रीमियर लीग 2026 के आयोजन को लेकर एक भव्य प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आगामी क्रिकेट प्रतियोगिता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों, आयोजन की रूपरेखा तथा युवा खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध अवसरों के बारे में उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। जूनियर प्रीमियर लीग 2026 का उद्देश्य विद्यालय स्तर के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों को एक बेहतर एवं प्रतिस्पर्धात्मक मंच प्रदान करना है, जहाँ खिलाड़ी अपनी प्रतिभा, अनुशासन, टीम भावना एवं खेल कौशल का प्रदर्शन कर सकें। इस प्रतियोगिता के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट का अनुभव प्राप्त करने तथा अपनी प्रतिभा को बेहतर मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। प्रेस वार्ता के दौरान प्रतियोगिता की तैयारियों, प्रतिभागी टीमों, खिलाड़ियों, प्रतियोगिता के स्वरूप तथा आगामी कार्यक्रमों से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह का वातावरण देखने को मिल रहा है।

जूनियर प्रीमियर लीग 2026 का शुभारंभ 22 अक्टूबर 2026 से सुरेविन क्रिकेट मैदान पर किया जाएगा। प्रतियोगिता में युवा क्रिकेट प्रतिभाएँ अपनी मेहनत, प्रतिभा और खेल भावना का प्रदर्शन करेंगी। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए एक समर्पित आयोजन समिति कार्य कर रही है, जिसमें डॉ. सरिता सिंधु, प्रधानाचार्य, सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल; अनुपम यादव, संयुक्त प्रबंधक; अभिषेक चौधरी, विभागाध्यक्ष - शारीरिक शिक्षा; उत्तम सिंधु, खेल प्रबंधक; मोहित चौहान, संचालक, एस.वी.एम. स्पोर्ट्स; तथा पंकज चौधरी, जूनियर प्रीमियर लीग सदस्य शामिल हैं।

आयोजन समिति ने बताया कि जूनियर प्रीमियर लीग केवल एक क्रिकेट प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवा खिलाड़ियों को सीखने, आगे बढ़ने और अपने क्रिकेट के सपनों को नई दिशा देने की एक पहल है। प्रतियोगिता के माध्यम से खिलाड़ियों में खेल भावना, अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। प्रेस वार्ता में प्रशिक्षकों एवं आयोजन से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उपस्थित सभी अतिथियों ने जूनियर प्रीमियर लीग 2026 के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

चित्तौड़ा में आरसीसी नाले के निर्माण कार्य का शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ग्राम चित्तौड़ा में एमएलसी दिनेश गोयल द्वारा स्वीकृत आरसीसी नाले के निर्माण कार्य का आज विधिवत शुभारंभ किया गया राष्ट्रीय लोकदल सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी द्वारा नारियल फोड़कर एवं फीता काटकर निर्माण कार्य की शुरूआत की गई। इस अवसर पर चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने विकास कार्य स्वीकृत होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आरसीसी नाले के निर्माण से गांव में जल निकासी की समस्या का समाधान होगा तथा ग्रामीणों को काफी सुविधा मिलेगी और कहा, क्षेत्र के विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने के लिए दिनेश गोयल जी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान भाजपा के महानगर महामंत्री गौरव चोपड़ा जी' पूर्व प्रधान अजीत सिंह जी' दिलावर सिंह' गन्ना परिषद के डायरेक्टर इंद्रपाल सिंह' युवा भाजपा अध्यक्ष मोनू त्यागी' हरेंद्र फौजी' समरजीत सिंह' सुशील कुमार' ऋषिपाल सिंह' आनंद सिंह' यजुवेंद्र प्रताप सिंह' जुगिंदर सिंह' बबलू सिंह' जोगिंदर सिंह' आदि क्षेत्र के गणमान्य लोग, एवं ग्रामीण उपस्थित रहे उपस्थित लोगों ने क्षेत्र के विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने के लिए एमएलसी श्री दिनेश गोयल जी का आभार व्यक्त किया।

असिस्टेंट प्रोफेसर-सेवा सुरक्षा, सम्मानजनक मानदेय एवं सेवा विनियमन की मांग को लेकर ज्ञापन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सेवाओं की अनिश्चितता तथा बौद्धिक मजदूरी से बेहाल असिस्टेंट प्रोफेसर निराश और दुःखी होकर शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का बहिष्कार कर रहे है। 331 अनुदानित महाविद्यालयों में 25 वर्षों से संचालित स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की दोहरी व्यवस्था में कार्यरत लगभग 3000 असिस्टेंट प्रोफेसर सेवा सुरक्षा, सम्मानजनक मानदेय एवं सेवा विनियमन की मांग को लेकर जिलाधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेज रहे ज्ञापन।

वर्ष 2000 में भाजपा शासन द्वारा शुरू की गई उक्त दोहरी व्यवस्था में कार्यरत शिक्षक वर्तमान सरकार से पिछले 9 वर्ष से विनियमितीकरण किए जाने अथवा यूजीसी वेतनमान दिए जाने के साथ सेवाओं की सुरक्षा की मांग लगातार करते आ रहे हैं।

परन्तु शासन द्वारा उनकी मांग पर विचार न किए जाने के कारण प्रदेश के विभिन्न जनपदों में शिक्षक अपने-अपने जिला मुख्यालय पर जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी को ज्ञापन प्रेषित कर रहे हैं।

शिक्षकों का कहना है कि वे मुख्यमंत्री जी की लोकहितकारी शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के उद्देश्य के विरोधी नहीं हैं, बल्कि पिछले 25 वर्षों से लंबित अपनी मूल सेवा समस्याओं के समाधान की मांग को सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए इस योजना का बहिष्कार कर अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं।

शिक्षिकाओं का कहना है कि पिछले 25 वर्षों से अनुदानित महाविद्यालयों में संचालित स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की यह दोहरी व्यवस्था लाखों विद्यार्थियों और हजारों शिक्षक परिवारों को प्रभावित कर रही है। इन पाठ्यक्रमों में कार्यरत शिक्षक यूजीसी की निर्धारित शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप चयनित होकर वर्षों से शिक्षण कार्य कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी सेवा की स्थिरता, सम्मानजनक पारिश्रमिक और भविष्य की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकी है।

शिक्षिकाओं के अनुसार अनेक शिक्षिका 45 से 60 वर्ष की आयु में पहुंच चुके हैं और वर्षों की सेवा के बावजूद अत्यंत अल्प मानदेय पर कार्य करने को विवश हैं। शिक्षिकाओं का कहना है कि वे पिछले लगभग 9 वर्षों से शासन स्तर पर विनियमन, यूजीसी वेतनमान अथवा जीविकोपार्जन के लिए निश्चित एवं सम्मानजनक मानदेय की व्यवस्था किए जाने की प्रत्याशा में प्रतीक्षारत हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक भोजपुर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने सम्मिलित होकर 60 नवविवाहित जोड़ों को उनके वैवाहिक जीवन की नई शुरूआत के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया।

इस अवसर पर विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने नवविवाहित जोड़ों एवं उनके परिजनों से संवाद कर उनके सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की। समारोह में नवविवाहित जोड़ों एवं उनके परिजनों के बीच हर्ष और उत्साह का वातावरण रहा।

विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल है, जिसके माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

यह योजना समाज के जरूरतमंद वर्गों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और सामाजिक सरोकार का सुंदर उदाहरण है।

16 नए स्ट्रीट लाइट खंभों से जगमगाएंगे रास्ते, श्रीराम पार्क और सनातन धर्म मंदिर मार्ग पर दूर हुई रोशनी की समस्या

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कौशांबी क्षेत्र में दीपावली से पहले अंधेरे रास्तों को रोशन करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। क्षेत्रीय पार्षद कुसुम मनोज गोयल की पहल पर श्रीराम पार्क (सेंट्रल पार्क) और उसके आसपास के मुख्य मार्गों सहित सनातन धर्म मंदिर रोड पर 16 नए स्ट्रीट लाइट खंभे लगाए गए हैं। नए खंभे लगाए जाने से लंबे समय से रोशनी की समस्या से जूझ रहे लोगों को राहत मिलेगी। मंगलवार को सनातन धर्म मंदिर के पुजारी देवमणि पांडेय ने विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्य का शुभारंभ कराया, जबकि मंदिर अध्यक्ष आशीष गौड़ ने इसकी शुरूआत की। क्षेत्र में नए स्ट्रीट लाइट खंभे लगाए जाने से स्थानीय लोगों में भी खुशी का माहौल है। लोगों का कहना है कि दीपावली से पहले इलाके में रोशनी की व्यवस्था बेहतर होने से शाम के समय आवागमन में सुविधा मिलेगी और अंधेरे वाले स्थानों पर भी पर्याप्त रोशनी उपलब्ध होगी।

इस अवसर पर पूर्व पार्षद एवं क्षेत्रीय भाजपा नेता डॉ. मनोज गोयल ने बताया कि श्रीराम पार्क के आसपास मुख्य मार्ग पर नगर निगम की ओर से पहले लगाए गए कई स्ट्रीट लाइट खंभे गिर गए थे। इसके कारण मार्ग के कुछ हिस्सों में रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं रहती थी। लोगों की परेशानी को देखते हुए पुराने और क्षतिग्रस्त खंभों के स्थान पर नए खंभे लगवाए गए हैं। इसके अलावा पार्क के आसपास जिन स्थानों पर पहले से स्ट्रीट लाइट के खंभे नहीं थे, वहां भी नए खंभे लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म मंदिर रोड के कुछ हिस्सों में भी रोशनी की कमी थी। मंदिर में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वहां भी नए स्ट्रीट लाइट खंभे लगाए गए हैं। इससे रात के समय सड़क पर आवागमन और आसपास के लोगों की आवाजाही अधिक सुविधाजनक होगी। क्षेत्रीय पार्षद कुसुम मनोज गोयल ने कहा कि क्षेत्र की जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि श्रीराम पार्क और मंदिर मार्ग के आसपास लंबे समय से रोशनी की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। कुछ पुराने खंभे गिर गए थे और कुछ स्थानों पर खंभे ही नहीं थे। ऐसे सभी स्थानों को चिन्हित कर नए खंभे लगवाने का काम कराया गया है। उन्होंने कहा कि दीपावली से पहले क्षेत्र में रोशनी की व्यवस्था बेहतर होने से स्थानीय लोगों के साथ मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को भी सुविधा मिलेगी। क्षेत्र की जनता की छोटी-बड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

एसडीजीआई में विद्यार्थियों ने सीखी आधुनिक तकनीक, विद्यार्थियों को कराया औषधि अनुसंधान की नई विधाओं से परिचित

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। डासना स्थित एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज की ओर से मॉलिक्यूलर डॉकिंग एवं आभासी छंटाई विषय पर बुधवार को एक दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में फामेर्सी के विद्यार्थियों और शिक्षकों को आधुनिक औषधि खोज में उपयोग होने वाली कंप्यूटर आधारित तकनीकों की जानकारी दी गई।

विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों को कंप्यूटर आधारित औषधि अभिकल्पना, मॉलिक्यूलर डॉकिंग, आभासी छंटाई और ऑटोडॉक सॉफ्टवेयर के व्यावहारिक उपयोग से परिचित कराया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को औषधि अनुसंधान के बदलते स्वरूप से जोड़ना और उन्हें प्रयोगशाला आधारित अध्ययन के साथ आधुनिक कंप्यूटेशनल तकनीकों की उपयोगिता समझाना रहा। मुख्य संसाधन व्यक्ति उत्सव गुप्ता, अनुसंधान सहयोगी, गुप्ता कंटेंट कंसल्टेंसी, ग्रेटर नोएडा ने विद्यार्थियों को कंप्यूटेशनल औषधि खोज की विभिन्न अवधारणाओं की विस्तार से जानकारी दी। उत्सव गुप्ता ने बताया कि आधुनिक औषधि अनुसंधान में कंप्यूटर आधारित तकनीकों का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

टायर में हवा कम होने का झांसा, कार से डेढ़ लाख और जेवर उड़ाए

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विजयनगर थाना क्षेत्र में शातिर व्यक्ति ने कार के टायर में हवा कम होने का झांसा देकर महिला की कार रुकवा ली। चालक जैसे ही टायर की हवा चेक करने के लिए नीचे उतरा, आरोपी ने कार का पिछला दरवाजा खोलकर अंदर रखा बैग चोरी कर लिया और मौके से फरार हो गया। बैग में करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी और सोने के आभूषण रखे थे। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लखनऊ के कालीदास मार्ग निवासी नीता सिंह ने पुलिस को बताया कि 21 सितंबर की शाम वह नोएडा से मेरठ जा रही थीं। उनके साथ कार चालक बबलू भी था। विजयनगर थाना क्षेत्र में आंबेडकर नगर कट के पास पहुंचने पर एक अज्ञात व्यक्ति ने चालक को इशारा कर बताया कि कार के टायर में हवा कम है। चालक ने आरोपी की बात पर विश्वास कर कार रोक दी और टायर की हवा देखने के लिए नीचे उतर गया। इसी दौरान आरोपी ने मौका पाकर कार का पिछला दरवाजा खोल दिया।

विजयनगर थाने में बढ़ीं सुविधाएं, महिलाओं से लेकर साइबर अपराध तक मिलेगा त्वरित सहयोग

हाईटेक हुआ विजयनगर थाना, मिशन शक्ति और साइबर यूनिट से बढ़ेगी सुरक्षा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड के निर्देश पर थाना विजयनगर को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर नए स्वरूप में विकसित किया गया है। थाने में नागरिकों की सुविधा के लिए आधुनिक प्रतीक्षालय, आरामदायक बैठने की व्यवस्था, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड, सूचना पट, पेयजल, शौचालय और दिव्यांगजनों के लिए रैंप की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। महिला सुरक्षा को मजबूत करने के लिए यहां मिशन शक्ति केंद्र बनाया गया है, जहां प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मी और परामर्शदाता शिकायतों के समाधान, काउंसलिंग और कानूनी मार्गदर्शन में सहयोग करेंगे। इसके अलावा साइबर सेवा यूनिट में तकनीकी विशेषज्ञ ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, सोशल मीडिया और डिजिटल वित्तीय अपराधों से जुड़ी शिकायतों पर कार्रवाई करेंगे। थाने के कार्यालय, रिकॉर्ड रूम और मीटिंग हॉल को भी आधुनिक रूप दिया गया है। पुलिस के अनुसार वर्ष के अंत तक सभी थानों और अगले वर्ष पुलिस चौकियों के आधुनिकीकरण की योजना है।

दिव्यांगों की गुहार पर डीएम का तत्काल एक्शन, रोजगार में बाधा न डालने के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कलेक्ट्रेट में बुधवार को आयोजित जनसुनवाई में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने आमजन की समस्याएं गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनीं। इस दौरान भूमि एवं संपत्ति विवाद, अवैध कब्जे, अतिक्रमण, पेंशन, राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न मामलों की शिकायतें पहुंचीं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में पहुंचे दिव्यांगजनों ने डीएम को बताया कि रोजगार के लिए लगाए गए खोखे और ठियों को हटाने की धमकी देकर उन्हें परेशान किया जा रहा है। शिकायत का तत्काल संज्ञान लेते हुए डीएम ने संबंधित थानाध्यक्षों से वार्ता कर दिव्यांगजनों को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं करने और उनके रोजगार में बाधा न डालने के निर्देश दिए। साथ ही सभी थानों, चौकियों और संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश भेजने के लिए स्टाफ को निर्देशित किया। डीएम ने अधिकारियों से पात्र लोगों को अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के भी निर्देश दिए।

शराब के नशे में चचेरे भाइयों ने रास्ता रोककर पीटा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मसूरी थाना क्षेत्र में शराब के नशे में दो चचेरे भाइयों पर रास्ता रोककर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। घटना में पीड़ित के सिर और कंधे पर गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित की शिकायत पर मसूरी पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राम डूंडाहेड़ा निवासी राहुल त्यागी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 17 सितंबर की शाम करीब साढ़े पांच बजे वह भोजपुर-मोदीनगर स्थित अपनी कृषि भूमि पर गए थे। इसी दौरान उनके चचेरे भाई मुकुल त्यागी पुत्र सत्यभगवान त्यागी और कुल भूषण त्यागी पुत्र कृष्ण भगवान त्यागी भी वहां पहुंच गए। राहुल के अनुसार, दोनों शराब के नशे में थे। उन्हें नशे की हालत में देखकर वह वहां से अपने घर के लिए निकल गए। आरोप है कि शाम करीब आठ बजे जब राहुल 'हवा हवाईइ रेस्टोरेंट के पास पहुंचे तो दोनों चचेरे भाइयों ने उनका रास्ता रोक लिया। इसके बाद दोनों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की। हमले में राहुल के सिर और कंधे पर गंभीर चोटें आईं, जबकि शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोट लगी। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के बाद दोनों आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद राहुल पास के सरकारी अस्पताल पहुंचे और प्राथमिक उपचार कराया। इसके बाद उन्होंने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस से मिली जानकारी के बाद वह मसूरी थाने पहुंचे और दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए लिखित शिकायत दी।

सांकेतिक भाषा दिवस पर दिव्यांगजनों के लिए लगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

चिकित्सकों और श्रवण बाधित दिव्यांगजनों के बीच सांकेतिक भाषा से हुआ संवाद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत नींव शक्ति संस्था एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विकास भवन स्थित दुर्गावती मीटिंग हॉल में दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने रिबन काटकर किया। उन्होंने दिव्यांगजनों से संवाद कर उनके स्वास्थ्य और आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा सुगम स्वास्थ्य सेवाओं पर जोर दिया।

शिविर में ईएनटी, स्त्री रोग, फिजियोथेरेपी और ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया।

जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अंशुल चौहान ने दिव्यांगजनों की समस्याएं सुनीं और विभाग की ओर से सहयोग का भरोसा दिलाया। नींव शक्ति संस्था की संस्थापक रिचा बल्लभ खुलबाई ने श्रवण बाधित दिव्यांगजनों के लिए सांकेतिक भाषा में स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। देव भागीरथी लर्निंग सेंटर के प्रतिनिधियों ने इंटरप्रेटर के रूप में सहयोग कर चिकित्सकों और दिव्यांगजनों के बीच प्रभावी संवाद कराया।

सड़क हादसों ने बुझाए दो घरों के चिराग, दो घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों मृतकों में एक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी, जबकि दूसरे की हादसे में मौके पर ही मौत हो गई। घायलों का उपचार कराया जा रहा है। संबंधित थानों की पुलिस ने मामलों में मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विजयनगर थाना क्षेत्र के सुदामापुरी निवासी दिलशाद के पिता अलीदराज पांच सितंबर की शाम साइकिल से फैन-पापे बेचने के लिए निकले थे। वह एबीईएस कॉलेज के पास पहुंचे ही थे कि पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर परिजन उन्हें उपचार के लिए दिल्ली ले गए, जहां 15 सितंबर को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। कासगंज के गंजडुंडवारा क्षेत्र के सिरसौल गांव निवासी आकाश ने पुलिस को बताया कि 29 अप्रैल की रात करीब पौने दो बजे उनके पिता प्रेमपाल एबीईएस कॉलेज के सामने से गुजर रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि प्रेमपाल की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सिहानी गेट थाना क्षेत्र के शिब्बनपुरा रविदास नगर निवासी अंजलि ने बताया कि 19 सितंबर को उनके पति मून गौतम बाइक से जा रहे थे। केसरी माता मंदिर के पास एक अज्ञात स्कूटर सवार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। सड़क पर गिरने से मून गौतम को कई चोटें आईं।

हिंडन छठ घाट बना जागरूकता का केंद्र, युवाओं ने किया श्रमदान व पौधारोपण

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सेवा संकल्प अभियान के तहत टॉफी संस्था और ट८ ईँ१३, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में हिंडन छठ घाट पर श्रमदान, पौधारोपण एवं सामाजिक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान में स्वयंसेवकों और युवाओं ने घाट की सफाई कर पौधे लगाए। साथ ही स्वच्छ भारत, नशामुक्ति और अंगदान की शपथ दिलाई गई।

जिला युवा अधिकारी सुश्री एकता मिश्रा ने अभियान में सहभागिता करते हुए श्रमदान और पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी जरूरी है। टॉफी के सह संस्थापक तुषार शर्मा ने कहा कि बच्चों और युवाओं में सामाजिक एवं पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना बचपन से विकसित की जानी चाहिए।

कार्यक्रम में जिला प्रशासन, नगर निगम टीम, एनजीओ कोऑर्डिनेटर तनुज गंभीर, मयंक चौधरी सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि और स्वयंसेवक मौजूद रहे।

भारत की संस्कृति और सनातन संदेश लेकर लंदन जाएंगे बीके शर्मा हनुमान

वेलकम इंडिया संवाददाता

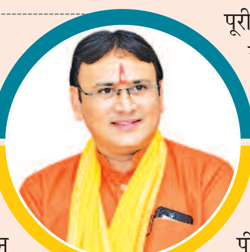

गाजियाबाद। विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और आध्यात्मिक विचारधारा का संदेश लेकर लंदन की 11 दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। वह 29 सितंबर, मंगलवार को श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर श्री महंत नारायण गिरी महाराज से आशीर्वाद लेकर लंदन के लिए प्रस्थान करेंगे। यात्रा के दौरान वह विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगे और विदेश में भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक विरासत का संदेश पहुंचाएंगे। बीके शर्मा हनुमान ने कहा कि यह यात्रा उनके लिए केवल विदेश यात्रा नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध संस्कृति, सनातन परंपराओं और जीवन मूल्यों को विश्व पटल तक पहुंचाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति ने सदियों से पूरी दुनिया को मानवता, सेवा, सद्भाव, संस्कार और वसुधैव कुटुम्बकम्‍का संदेश दिया है। बीके शर्मा हनुमान ने कहा कि आज के दौर में युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ना बेहद आवश्यक है। भारतीय संस्कृति केवल हमारी पहचान नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की ऐसी परंपरा है, जिसमें मानव कल्याण और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव निहित है। उन्होंने कहा कि विदेशों में रहने वाली नई पीढ़ी तक भी भारतीय संस्कृति और संस्कारों का संदेश पहुंचना चाहिए, ताकि वे अपनी जड़ों और गौरवशाली परंपरा से जुड़े रहें। उन्होंने कहा कि लंदन प्रवास के दौरान विभिन्न सामाजिक और धार्मिक आयोजनों में सहभागिता कर भारतीय मूल्यों, आध्यात्मिक चिंतन और सनातन परंपराओं के बारे में संवाद किया जाएगा।

वादी संवाद दिवस में 219 वादियों से पुलिस ने किया संवाद

विवेचनाओं की प्रगति बताकर समस्याओं का किया समाधान, पुलिस-जनता के बीच विश्वास बढ़ाने पर जोर

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में कमिश्नरेट गाजियाबाद के सभी थानों में बुधवार को वादी संवाद दिवस आयोजित किया गया। जनकेंद्रित पुलिसिंग के तहत आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य वादियों को उनके मामलों की वर्तमान स्थिति और विवेचना की प्रगति की जानकारी देकर पारदर्शिता एवं विश्वास कायम करना रहा।

इस दौरान विवेचनाधीन एफआईआर, एनसीआर और गुमशुदगी के मामलों से संबंधित वादियों को थाने बुलाकर संबंधित विवेचकों ने संवाद किया। वादियों के सवालों का तथ्यात्मक एवं संतोषजनक जवाब देते हुए उन्हें कार्रवाई की प्रगति से अवगत कराया गया। जोनवार आंकड़ों के अनुसार नगर जोन में 66, ट्रांस हिंडन जोन में 84 और ग्रामीण जोन में 69 वादी संवाद के लिए थानों पर पहुंचे। इस प्रकार कुल 219 वादियों से पुलिस अधिकारियों और विवेचकों ने संवाद किया। पुलिस के अनुसार, इस पहल से लोगों को अपने प्रकरण की सही जानकारी समय पर मिलने के साथ न्याय प्रक्रिया के प्रति विश्वास मजबूत होगा।

ग्रेटर नोएडा का कूड़ा अब बनेगा खाद और आरडीएफ, प्लांट का शुभारंभ

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। शहर में रोजाना निकलने वाले करीब 800 टन कूड़े के निस्तारण के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने लखनावली में फ्रेश वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट शुरू कर दिया है। दादरी विधायक तेजपाल नागर ने एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ सुमित यादव और ओएसडी गिरीश कुमार झा की मौजूदगी में प्लांट का शुभारंभ किया।

ग्रेटर नोएडा के सेक्टरों और गांवों से निकलने वाले कूड़े को अब इसी प्लांट में प्रोसेस किया जाएगा। यहां गीले और सूखे कूड़े का अलग-अलग निस्तारण होगा। गीले कूड़े से खाद तैयार की जाएगी, जबकि सूखे कूड़े से आरडीएफ बनाया जाएगा, जिसका इस्तेमाल सीमेंट कारखानों में किया जाएगा। प्राधिकरण के मुताबिक प्लांट शुरू होने से रोजाना निकलने वाले कूड़े का समय से निस्तारण हो सकेगा और लखनावली में कूड़े के ढेर की समस्या पर रोक लगेगी। इसके साथ ही वहां पहले से जमा लिगेसी वेस्ट को प्रोसेस करने का काम भी जारी है। प्राधिकरण को उम्मीद है कि इस पहल से ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ और सुंदर बनाने में मदद मिलेगी।

आयुर्वेद स्वस्थ जीवन की कुंजी, बीमारी से बचाव पर जोर : मयंक गोयल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आयुर्वेद दिवस के अवसर पर बुधवार को संजय नगर स्थित आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक राणा सहित चिकित्सकों के साथ भगवान धन्वंतरि एवं आचार्य सुश्रुत की प्रतिमा पर पूजा-अर्चना कर पुष्पांजलि अर्पित की।

मयंक गोयल ने कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने का मार्ग है। इसका उद्देश्य स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना और रोगी का उपचार करना है।

उन्होंने कहा कि आचार्य चरक और सुश्रुत ने चिकित्सा विज्ञान को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया संतुलित आहार, योग, प्राकृतिक चिकित्सा और निवारक स्वास्थ्य की ओर बढ़ रही है, ऐसे में आयुर्वेद की उपयोगिता और बढ़ गई है। डॉ. अशोक राणा ने नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार और योग अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में आयुर्वेदिक चिकित्सक एवं चिकित्सा अधिकारी मौजूद रहे।